राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 02 फरवरी 2024 वर्ष–7,अंक–10 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'विश्वशक्ति के रूप में उभरा भारत', निर्मला सीतारमण ने कहा-

हमारे लिए जीडीपी का अर्थ गवर्नेंस, परफॉर्मेंस और डेवलपमेंट

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने अंतरिम बजट भाषण में कहा कि हमारी सरकार ने नागरिक प्रथम और न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन दृष्टिकोण के साथ जवाबदेह, जन केंद्रित और विश्वास आधारित प्रशासन प्रदान किया है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'कृषि क्षेत्र की और वृद्धि के लिए, सरकार फसल कटाई के बाद की गतिविधियों में सार्वजनिक और निजी निवेश को और बढ़ावा देगी।

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कॉरिडोर भारत और दूसरे देशों के लिए भी एक परिवर्तनकारी कदम है। उन्होंने कहा कि कोविड के कारण चुनौतियों के बावजूद, पीएम आवास योजना ग्रामीण का कार्यान्वयन जारी रहा और हम 3 करोड़ घरों के लक्ष्य को प्राप्त करने के करीब हैं। परिवारों की संख्या में वृद्धि से उत्पन्न होने वाली आवश्यकता को पूरा करने के लिए अगले 5 वर्षों में 2 करोड़ और घर बनाए जाएंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि अगले पांच साल अभूतपूर्व विकास के साल होंगे। उन्होंने

कहा कि हमारे लिए त्नष्ठक्कका अर्थ गवर्नेंस, परफॉर्मेंस और डेवलपमेंट है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमृत काल के लिए रणनीति बताई। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ऐसी आर्थिक नीतियां अपनाएगी जो विकास को बढ़ावा दें और बनाए रखें, समावेशी और सतत विकास की सुविधा प्रदान करें, उत्पादकता में सुधार करें, सभी के लिए अवसर पैदा करें, उनकी क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करें और निवेश को बढ़ावा देने और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए संसाधनों के उत्पादन में योगदान दें। उन्होंने कहा कि सरकार का जीडीपी को अधिक व्यापक बनाने, बेहतर राजकाज, विकास और प्रदर्शन पर जोर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, ÷कृषि क्षेत्र की और वृद्धि के लिए, सरकार फसल कटाई के बाद की गतिविधियों में सार्वजनिक और निजी निवेश को और बढ़ावा देगी।÷ उन्होंने कहा कि 'रूफटॉप सोलर' परियोजना के तहत एक करोड़ परिवार को हर महीने 300 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी। उन्होंने कहा कि कृषि जलवायु क्षेत्रों में विभिन्न फसलों में नैनो यूरिया का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग के लिए विशेष आवास योजना लेकर आएगी सरकार, किराये के घरों, झुग्गी बस्तियों एवं चाल में रहने वाले लोगों के लिए योजना होगी। उन्होंने कहा कि रक्षा उद्देश्यों के लिए डीप-टेक प्रौद्योगिकियों को मजबूत करने और आत्मनिर्भरता में तेजी लाने के लिए एक नई योजना शुरू की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का मामला, आज होगी सुनवाई

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और शीर्ष अदालत शुक्रवार को उनकी याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गई। हेमंत सोरेन की ओर से वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने गुरुवार को मामले पर तत्काल सुनवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि वे झारखंड हाई कोर्ट से याचिका वापस ले लेंगे। बुधवार रात को, हेमंत ने ईडी की गिरफ्तारी के खिलाफ झारखंड उच्च न्यायालय का रुख किया और उनकी याचिका पर गुरुवार सुबह 10.30 बजे उच्च न्यायालय में सुनवाई होनी थी।

सोरेन को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने

के बाद धनशोधन के एक मामले में बुधवार रात को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं राज्य के परिवहन मंत्री चंपई सोरेन का नाम मुख्यमंत्री के रूप में प्रस्तावित किया गया है। ईडी ने कथित भूमि धोखाधड़ी मामले से जुड़े धनशोधन के आरोपों को लेकर सात घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद बुधवार को हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया था। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जिन्हें बुधवार रात ईडी ने गिरफ्तार किया था, ने एक्स से कहा कि वह हार स्वीकार नहीं करेंगे। गिरफ्तारी के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में सोरेन ने कहा, यह एक ब्रेक है। जीवन एक महान युद्ध है। मैं हर पल लड़ा हूं, मैं हर पल लड़ूंगा। लेकिन मैं समझौते की भीख नहीं मांगूंगा।

उन्होंने कहा कि मैं चिंतित नहीं हूं क्योंकि मैं शिबू सोरेन का बेटा हूं...पूरे दिन की पूछताछ के बाद, उन्होंने मुझे उन मामलों में गिरफ्तार करने का फैसला किया जो मुझसे संबंधित नहीं हैं। अभी तक उन्हें कोई सबूत नहीं मिला है। उन्होंने मेरे दिल्ली आवास पर छापेमारी कर मेरी छवि खराब करने की भी कोशिश की। गरीबों, आदिवासियों, दलितों और निर्दोषों पर अत्याचार करने वालों के खिलाफ अब हमें नई लड़ाई लड़नी है। झारखंड के मुख्यमंत्री का पद छोड़ने के कुछ ही क्षण बाद बुधवार को हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय ने रांची में गिरफ्तार कर लिया। 48 वर्षीय राजनेता को बाद में राज्य में एक कथित भूमि घोटाले की जांच के सिलसिले में जांच एजेंसी के कार्यालय में ले जाया गया।

40 हजार वंदे भारत बोगियां... रेलवे को सरकार का बड़ा तोहफा, बजट में ये बड़ी घोषणाएं भी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2024-25 के लिए भारत का अंतरिम बजट पेश कर रही हैं। बजट के शुरुआती ऐलानों में ही उन्होंने ट्रांसपोर्ट के लिए बड़े ऐलान कर दिए हैं। सरकार आम ट्रेनों की बोगियों को बदलकर वंदे भारत के स्तर की बनाने की तैयारी कर रही है। इसके अलावा मेट्रो और नमो रेल का भी अन्य शहरों तक विस्तार किया जाएगा।

परिवहन को मोर्चे पर रफ्तार पकड़ेगा भारत

सीतारमण ने गुरुवार को जानकारी दी है कि रेल की करीब 40 हजार बोगियों को वंदे भारत की बोगियों में बदला जाएगा। इसके साथ ही 3 नए रेल कॉरिडोर के निर्माण का भी ऐलान सरकार ने किया है और माल भाड़ा गलियारे का भी काम जारी है। उन्होंने बताया कि बीते दस सालों में देश में एयरपोर्ट की संख्या

भी बढ़ी है। फिलहाल, देश में 149 एयरपोर्ट संचालित हो रहे हैं।

पर्यटन को बढ़ावा

मालदीव के साथ जारी तनावपूर्ण रिश्तों के बीच सरकार ने बजट में लक्षद्वीप को भी बड़ा तोहफा देने का फैसला किया है। वित्त मंत्री ने जानकारी दी है कि लक्षद्वीप समेत कई द्वीपों पर पर्यटन के लिए नई परियोजनाओं का ऐलान किया जाएगा। खास बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मालदीव सरकार के मंत्रियों की तरफ से आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद सोशल मीडिया पर मालदीव पर्यटन के बहिष्कार का दौर चला था। इसके बाद भारतीय नागरिक बड़ी संख्या में लक्षद्वीप पहुंचने लगे थे। तीन मुख्य कॉरिडोर में एनर्जी, मिनरल एंड सीमेंट कॉरिडोर, पोर्ट कनेक्टिविटी कॉरिडोर और हाई ट्रैफिक डेन्सिटी कॉरिडोर शामिल है। सीतारमण का कहना है कि इन नए कॉरिडोर की पहचान पीएम गति शक्ति पहल के तहत हुई है। इसके अलावा तेज और सुरक्षित रेल यात्रा को सुनिश्चित करने में हाई ट्रैफिक डेन्सिटी कॉरिडोर मदद करेंगे।

तीन दिन पहले बिहार में बनी एनडीए सरकार, पर मंत्रियों के पास अब भी विभाग नहीं

पटना। बिहार में नई एनडीए सरकार के गठन के तीन दिन बीत जाने के बाद भी 28 जनवरी को शपथ लेने वाले मंत्रियों को अभी तक विभाग आवंटित नहीं किए गए हैं।ऐसी स्थिति पहले कभी पैदा नहीं हुई थी। सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार और राज्य भाजपा नेतृत्व के बीच कुछ ठीक नहीं है।नीतीश कुमार के साथ 8 मंत्रियों - जिनमें दो उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा शामिल हैं - ने 28 जनवरी को शपथ ली थी, लेकिन वे अभी भी बिना किसी विभाग के हैं।सूत्रों का कहना है कि चौधरी और सिन्हा ने कैबिनेट सचिवालय द्वारा आवंटित आधिकारिक कारों को भी स्वीकार करने से इनकार कर दिया, क्योंकि उन्हें वे कारें दी गई थीं, जिनका इस्तेमाल महागठबंधन सरकार के दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने किया था।मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार के पिछले 18 वर्षों के कार्यकाल में ऐसे हालात कभी पैदा नहीं हुए थे।2015 में नीतीश कुमार ने राजद के साथ सरकार बनाई और उन्होंने तेजस्वी यादव के साथ 20 नवंबर 2015 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी और तेजस्वी को उपमुख्यमंत्री बनाया था। इसके अलावा, 23 मंत्रियों ने भी उसी दिन शपथ ली और कुछ ही घंटों में विभाग आवंटित कर दिए थे।जब नीतीश कुमार 2017 में एनडीए में चले गए, तो उन्होंने और सुशील कुमार मोदी ने 27 जुलाई, 2017 को शपथ ली थी और दो दिनों के बाद 27 और मंत्रियों ने शपथ ली थी और कुछ ही घंटों के भीतर विभागों का बंटवारा हो गया था।2020 में नीतीश कुमार ने भाजपा के साथ सरकार बनाई और उन्होंने 16 नवंबर, 2020 को दो डिप्टी सीएम - तार किशोर प्रसाद और रेनू देवी सहित 15 मंत्रियों के साथ शपथ ली थी और उसी दिन विभागों का फैसला कर दिया गया था।2022 में जब नीतीश कुमार ने फिर यू-टर्न लिया तो उन्होंने तेजस्वी यादव और 31 मंत्रियों के साथ 9 अगस्त 2022 को शपथ ली थी और उसी दिन विभागों का बंटवारा भी कर दिया था।सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार भाजपा को वे विभाग देना चाहते हैं, जो पहले राजद और कांग्रेस के पास थे, लेकिन भाजपा गृह और सामान्य प्रशासन चाहती है। यही वजह है कि दोनों पक्षों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई है।

फिर बढ़ेगी ठंड? दिल्ली-एनसीआर में आज भी बारिश का अलर्ट, पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी

नई दिल्ली। कड़ाके की ठंड के बीच दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन बारिश और आंधी से मौसम का मिजाज बदल गया है। बुधवार को शुरू हुई तेज बारिश के कारण सड़कें अवरुद्ध हो गईं और बड़े पैमाने पर जलजमाव हो गया। आज सुबह भी अलग-अलग इलाकों में खूब बारिश हुई है। इससे लोगों की चुनौतियां और बढ़ गई हैं जो पहले से ही भीषण सर्दी की स्थिति से जूझ रहे थे। भारत मौसम विज्ञान विभाग (ढ्ढरूष्ठ) की भविष्यवाणी के मुताबिक, दिल्ली में मौसम ऐसा ही बना रहेगा और गुरुवार को भी बारिश होने की संभावना है। कुछ मैदानी इलाकों में जहां बारिश हुई है, वहीं हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में इस साल का पहला हिमपात हुआ। आज सुबह जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर सहित माता वैष्णो देवी की गुफा के पास भी बर्फबारी हुई है। बारिश और बर्फबारी के असर से उत्तर भारत में

ठंड बढ़ गई और सुबह कोहरे की चादर छाई रही। बदले मौसम से आम जनजीवन जरूर प्रभावित हुआ हैं, लेकिन किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। गेंहू की खेती के लिए यह बारिश काफी फायदेमंद साबित हो सकती है।

चारधाम समेत औली और हर्षिल में जमकर बर्फबारी

बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, औली और हर्षिल में बुधवार को जमकर बर्फबारी हुई। जबकि चकराता के लोखंडी में दो इंच तक बर्फ गिरी। औली और हर्षिल में पर्यटकों ने बर्फबारी का जमकर लुत्फ उठाया। उत्तरकाशी, टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग और चमोली में हल्की बूंदाबांदी होने के बाद समूचे क्षेत्र ठंड बढ़ गई है। बुधवार को उत्तरकाशी के मुखबा, हर्षिल, भैरव घाटी, रुद्रप्रयाग के मद्महेश्वर, तुंगनाथ, चंद्रशिला और चमोली के बदरीनाथ, हेमकुंड और औली समेत ऊंची पहाड़ियों पर जमकर बर्फबारी हुई। केदारनाथ में देर शाम तक दो फीट से अधिक बर्फ जमा हो गई थी।

जम्मू-कश्मीर में लंबे इंतजार के बाद बर्फबारी

ठंड के मौसम में जम्मू एवं कश्मीर के पहाड़ियों पर एक लंबे इंतजार के बाद बुधवार को बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश हुई। इससे स्थानीय लोगों और सैलानियों के चेहरों पर मुस्कान खिल गई है, तो किसानों के चेहरों पर भी रौनक आ गई है। जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में बर्फबारी हुई है। खासतौर से गुलमर्ग में तो जहां तक नजर जाएगी हर तरफ बर्फ की चमक ही दिखेगी।

राजस्थान में कई जगह हल्की बारिश

एक नये पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते बीते चौबीस घंटे की अवधि में राजस्थान के कई इलाकों हल्की बारिश हुई है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार पिछले 24 घंट में बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू व झुंझुनूं जिले में कहीं-कहीं हल्की बारिश दर्ज की गई है। सर्वाधिक पांच मिलीमीटर बारिश हनुमानगढ़ में हुई। इसके अलावा सरदारशहर में चार मिमी, अनूपगढ़ और तारानगर में तीन-तीन मिमी, पीलीबंगा में दो और रावतसर में एक मिमी बारिश हुई।

शंखनाद और गूंजी घंटियों की आवाज; ज्ञानवापी में 31 साल बाद पूजा, मंगला गौरी की हुई आराधना

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद के परिसर में गुरुवार तड़के पूजा की गई। मस्जिद में बने व्यास जी के तहखाने में विश्वनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी ओम प्रकाश मिश्र और गणेश्वर द्रविड़ ने ब्रह्मम बेला में पूजा करवाई। विधि विधान से मंगला गौरी की आराधना की गई। 31 साल बाद ज्ञानवापी परिसर में पूजा दोबारा शुरू की गई है। नवंबर 1993 में में वहां पूजा रोककर बैरिकेडिंग की गई थी। वाराणसी कोर्ट ने बुधवार को व्यास तहखाने में हिंदुओं को पूजा करने की अनुमति दी थी। इसी के बाद रात में ही इंतजाम कर बैरिकेडिंग हटाई गई और पूजा की व्यवस्था की गई।

आधी रात के बाद तहखाने से हटवाई बैरिकेडिंग

कमिश्नर कौशलराज शर्मा, पुलिस आयुक्त मुथा अशोक जैन और डीएम एस. राजलिंगम समेत आला प्रशासनिक व पुलिस अफसर रात 11.30 बजे ज्ञानवापी परिसर पहुंचे। वहां सभी ने दक्षिणी तहखाना में पूजा के संबंध में जिला जज के आदेश के बाद सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की। रात 12.30 बजे के आसपास तहखाना के सामने लगी लोहे की बैरिकेडिंग हटवा ली गई। वहां साफ सफाई के बाद पूजा कराई गई। रात करीब 1.30 बजे परिसर से बाहर निकले तहखाना के रिसीवर/डीएम

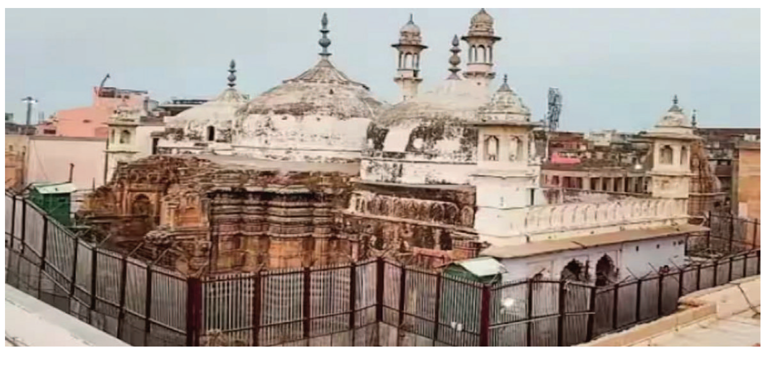

एस.राजलिंगम ने मीडिया से कहा कि हमने कोर्ट के आदेश का अनुपालन करा दिया है। ज्ञानवापी में दक्षिणी तहखाने में प्रवेश के लिए बैरिकेडिंग में रास्ता बनाया गया। इसके बाद सुबह करीब 3 बजे तहखाने में मूर्तियों की पूजा और आरती की गई। वहीं, विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र समेत पूरे जिले में हाई अलर्ट कर दिया गया है। विश्वनाथ धाम और आसपास के क्षेत्रों में रात में अतिरिक्त फोर्स की तैनाती की गई है। ग्रामीण क्षेत्र के भी कुछ थानों की फोर्स शहर में बुलाई गई है। गोदौलिया से दशाश्वमेध और गोदौलिया से बुलानाला के बीच निगरानी बढ़ा दी गई है।

आदेश के नौ घंटे के अंदर सक्रिय हो गए अधिकारी

ज्ञानवापी परिसर स्थित दक्षिणी तहखाना में पूजा और राग-भोग के संबंध में जिला जज की अदालत के आदेश के अनुपालन के लिए प्रशासन नौ घंटे के अंदर ही सक्रिय हो गया। कोर्ट का फैसला बुधवार अपराह्न तीन बजे के आसपास आया जबकि कमिश्नर आदि अफसर रात 11.30 बजे के आसपास परिसर में पहुंच गए। रात एक बजे के बाद तहखाने के सामने से बैरिकेडिंग हटवा दिया गया। उस दौरान वहां अफसर व सुरक्षा बल के जवान ही मौजूद थे।

अगली बारी अरविंद केजरीवाल की...

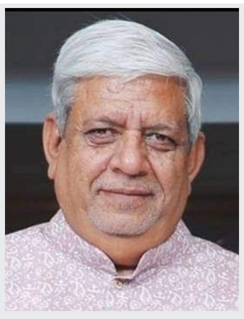

राकेश अचल

अभी देश को ये देखना है कि क्या सचमुच भारत से विपक्ष को नेस्तनाबूद करने के महाअभियान में भाजपा को कामयाबी मिलेगी या रामज्वर से पीड़ित जनता होश में आकर भाजपा के तिलस्मको तोड़कर आकर लोकतंत्र की रक्षा करेगी ? देश की जनता ने जिन अच्छे दिनों के आकर्षण में भाजपा को सत्ता के शीर्ष तक पहुंचाया था ,वे अच्छे दिन तो दस साल बाद भी आये नहीं ,हाँ अब बुरे दिनों की दस्तक जरूर सुनी जा सकती है लेकिन दूसरी ध्वनियाँ इतनीं तेज हैं कि उनमें बाकी की ध्वनियाँ सुनाई ही नहीं दे रहीं । सियावर रामचंद्र की जय !

भारतीय राजनीति को कांग्रेस विहीन करने का सपना देखने वाली भाजपा ने अब शायद देश की राजनीति को विपक्ष विहीन करने का मन बना लिया है । भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनावों में उतरने से पहले विपक्ष में खड़े तमाम क्षेत्रीय दलों को एक-एककर समाप्त करने का जो अभियान शुरू किया है उसके तहत अब अगली बारी आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल की हो सकती है। भाजपा बिहार और झारखण्ड के बाद दिल्ली पर भी जीत हासिल करना चाहती है क्योंकि अभी दिल्ली में दिया तले अन्धेरा है।

केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा की प्रशंसा करना होगी कि अदावत की सियासत में उसने नए कीर्तिमान गढ़े हैं। इस मामले में कांग्रेस कहीं नहीं ठहरती। अदावत की सियासत को समझने के लिए भाजपा सरकार द्वारा एक दशक में प्रवर्तन निदेशालय समेत तमाम एजेंसियों के इस्तेमाल के मामलों को देखना होगा। प्रवर्तन निदेशालय भाजपा का गांडीव भी है और पांचजन्य भी। ये शोर भी करता है और शिकार भी करता है। अंग्रेजी वाले इसे ईडी कहते हैं। ईडी का अर्थ है एन्टायर डिस्ट्राय । उर्दू में इसे आप नेस्तनाबूद करना कह सकते हैं। हिंदी वालों को इसे मिटटी में मिलना कहना आसान होगा।

देश में क्षेत्रीय दल आजादी के बाद से हैं किन्तु हिंदी पट्टी में अधिकांश क्षेत्रीय दलों का जन्म 1984 के बाद हुआ। इस हिसाब से अधिकांश क्षेत्रीय दल आपातकाल के बाद की पैदाइश हैं । भाजपा इन क्षेत्रीय दलों से कोई चार साल बड़ी है ,लेकिन भाजपा ने इन क्षेत्रीय दलों से कभी अग्रज भाव नहीं पाला । भाजपा ने जिस क्षेत्रीय दल के साथ सत्ता सिंहासन हासिल किया उसे बाद में या तो जमीदोज कर दिया या अपनी अदावत के दंश से ठिकाने लगा दिया। जिस क्षेत्रीय दल ने भाजपा को आँखें दिखाईं ,भाजपा ने उस क्षेत्रीय दल को कहीं का नहीं छोड़ा। उदाहरण एक खोजिये तो दस मिल जायेंगे।झारखंड मुक्ति मोर्चा से भाजपा की अदावत बहुत पुरानी है। झामुमो के एक वोट की वजह से एक जमाने में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार औंधे मुंह गिर गयी थी। अटल जी तो झामुमो से बदला नहीं ले पाए लेकिन आज की भाजपा ने झामुमो से हिसाब बराबर कर लिया।

झामुमो के नेता और कल रात तक झारखण्ड के मुख्यमंत्री रहे हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के साथ ही राज्य में सोरेन की सत्ता का अंत हो गया । अब पता नहीं हेमंत को कितनी होली-दीवाली जेल के सींखचों के पीछे मनाना पड़ें। दरअसल ईडी जिस नेता पर हाथ डालती है उसे हाथ से निकलने नहीं देती। लम्बे हाथों वाला कानून हमेशा ईडी कोई यानि सरकार की मदद करता है ,अदालतों का इसमें क्या दोष ?। भ्ष्टार्चार के मामलों में घेरे गए नेताओं को जमानत नहीं मिलती भले ही हत्या जैसे जघन्य मामलों के सजा याफ्ता आरोपी महीनों पेरोल का लाभ ले सकते हैं। पीएमएएलए कानून के तहत ईडी अब तक करीब 100 लोगों को निशाने पर ले चुकी है ,हेमंत सोरेन ईडी का ताजा शिकार हैं लेकिन इससे पहले गिरफ्तार किये गए 5 नेता अब तक जमानतें हासिल नहीं कर पाए है। ईडी के पास अभी भी निशाना साधने के लिए 5 और नाम हैं। अरविंद केजरीवाल का नाम अब सबसे ऊपर है।

ईडी के ओव्हर डोज के शिकार आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसौदिया,राज्य सभा सदस्य संजय सिंह, और सत्येंद्र जैन ,तृणमूल कांग्रेस के ज्योति प्रिय मलिक ,डीएमके सरकार के मंत्री वी सेंथिल बालाजी का नाम प्रमुख है ।ईडी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चार बार सम्मन भेज चुकी है ,उन्हें शायद हेमंत सोरेन की तरह पांच सम्मन और भेजे जायेंगे और दसवें सम्मन के साथ ही धर लिया जाएगा। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से भाजपा को दिल्ली के साथ पंजाब बोनस में मिल सकता है क्योंकि पंजाब में भी आम आदमी पार्टी की सरकार है। आम आदमी पार्टी का सबसे बड़ा अपराध, शराब घोटाला नहीं बल्कि आईएनडीआईए यानि इंडिया गठबंधन के साथ खड़ा होना है। उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी ने इंडिया गठबंधन से दूरी बना ली तो बहन मायावती को फिलहाल बख्श दिया गया।

रामभक्ति में डूबी देश की आधी आबादी को देश में इन दिनों चल रही अदावत की राजनीति का रत्ती भर अहसास नहीं है। कोई ये जानना नहीं चाहता कि देश के तमाम भ्र्ष्ट नेताओं के मुकाबले देस्ग को लूटकर भागे तमाम मोदियों और दूसरे उद्योगपतियों के खिलाफ हमारी सरकार गिरफ्तारी की कार्रवाई नहीं करती? कोई नहीं जानना चाहता कि हमारी सरकार बैंकों को हजारों करोड़ रूपपये का चूना लगाने वालों के साथ कैसे गलबहियां कर रही है और उन्हें हजम किये गए पैसे को और हजम करने के लिए राहत के हाजमोला की सुविधा मुहैया कर रही है ।हाजमोला पाने वालों की फेहरिस्त बहुत लम्बी है। जीटीवी वाले तो बहुत छोटे वाले आदमी हैं। योग बेचने वाले बाबा भी इस फेहरिस्त में शामिल हैं।

बहरहाल ये मौसम तेल और तेल की धार देखने का है। अभी देश को ये देखना है कि क्या सचमुच भारत से विपक्ष को नेस्तनाबूद करने के महाअभियान में भाजपा को कामयाबी मिलेगी या रामज्वर से पीड़ित जनता होश में आकर भाजपा के तिलस्मको तोड़कर आकर लोकतंत्र की रक्षा करेगी ? देश की जनता ने जिन अच्छे दिनों के आकर्षण में भाजपा को सत्ता के शीर्ष तक पहुंचाया था ,वे अच्छे दिन तो दस साल बाद भी आये नहीं ,हाँ अब बुरे दिनों की दस्तक जरूर सुनी जा सकती है लेकिन दूसरी ध्वनियाँ इतनीं तेज हैं कि उनमें बाकी की ध्वनियाँ सुनाई ही नहीं दे रहीं । सियावर रामचंद्र की जय !

संपादकीय

आदिवासी अस्मिता का सवाल

केंद्र सरकार लगातार दावे करती रही है कि नक्सलवाद और माओवाद जैसे चरमपंथी संगठनों को प्रभावहीन कर दिया गया है लेकिन छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बीते मंगलवार की घटना ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि यहां इन संगठनों की जड़ें.जमी हुईहैं। यहां माओवादियों के साथ मुठभेड़.के दौरान तीन सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए और 15 अन्य घायल हो गए। सुरक्षाकर्मियों की जवाबी कार्रवाईमें 6 माओवादी भी मारे गए। यह मुठभेड़. बीजापुर और सुकमा जिले की सीमा पर स्थित टेकलगुडेम गांव के पास उस समय हुई जब कोबरा कमांड़ो की 201 बटालियन और सीआरपीएफ की 150 बटालियन का संयुक्त दल तलाशी अभियान चला रहा था। लोकतंत्र में नक्सलवाद और माओवाद जैसी हिंसक विचारधारा का कोई स्थान नहीं है। इसलिए केंद्र की सरकार माओवाद से उत्पन्न गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। अगर पिछले 10 वर्ष की घटनाओं को देखा जाए तो माओवादी घटनाओं में काफी गिरावट आई है लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि इस पर पूरी तरह से नियंत्रण पा लिया गया है। इस समस्या से निपटने के लिए सरकार ने दो तरह की रणनीति बनाई है। पहली, माओवादियों के खिलाफ सघन अभियान चलाना और दूसरी, इससे प्रभावित इलाकों में द्रुत गति से विकास करना। अभी पिछले दिनों ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि देश अगले 3 साल में माओवाद और नक्सलवाद की समस्या से मुक्त हो जाएगा। माओवाद और नक्सलवादी आंदोलन के उभार के कारणों की पड़ताल करें तो यह तथ्य सामने आता है कि कम्युनिस्ट खेमे आदिवासियों के मन में यह भाव स्थापित करने में सफल रहे हैं कि उनका लगातार शोषण हो रहा है। उन्हें उनके जल, जंगल और जमीन से वंचित किया जा रहा है। ऐसे में उनको इसका प्रतिरोधकरना चाहिए। इस बात के आलोक में यह कहा जा सकता है कि जब तक आदिवासियों के मन से यह भाव समाप्त नहीं किया जाएगा तब तक नक्सल समस्या से पूरी तरह मुक्त नहीं हुआ जा सकता। इसलिए आदिवासी क्षेत्रों में केवल आर्थिक विकास ही जरूरी नहीं है, बल्कि इसके साथ-साथ सांस्कृतिक विकास भी आवश्यक है। नक्सल समस्या का संबंध आदिवासियों की अस्मिता से भी जुड़ा हुआ है। उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि लोकतंत्र में उनकी अस्मिता का सम्मान हो रहा है, और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और आदिवासी समाज के लिएहितकारी है।

चिंतन-मनन

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मो का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं।

इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है।

यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं हैं। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में रत रहना घोर अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है, तो यह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।

अंतरिम बजट में 2047 का सपना?

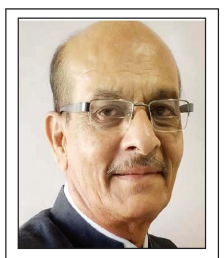

सनत जैन

लोकसभा का चुनाव सरकार के लिए चुनौती. केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने देश का अंतरिम बजट पेश कर दिया है। उन्होंने अपने बजट भाषण में 2047 का भारत कैसा होगा। इस पर अपना भाषण केंद्रित रखा। पिछले 10 सालों में केंद्र सरकार की उपलब्धियां में 25 करोड लोगों को गरीबी रेखा से बाहर लाने, 4 करोड़ किसानों को फसल बीमा का फायदा पहुंचाने और 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन देने का उल्लेख वित्त मंत्री ने किया। कुछ महीनों के पश्चात लोकसभा का चुनाव होना है। यह माना जा रहा था, कि यह लोक लुभावना अंतरिम बजट होगा। लेकिन जब बजट पेश हुआ, तो लोगों को निराशा ही हाथ लगी। कारपोरेट जगत को जरूर इस अंतरिम बजट में फायदा मिला है। कॉरपोरेट टैक्स को घटाकर 22 फीसदी कर दिया गया है। आयकर के अन्य स्लेब में कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया। जिसके कारण मध्यम वर्ग मे बड़ी निराशा देखने को मिली है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत, अगले 5 साल में 2 करोड लोगों के लिए और घर बनाने का उल्लेख अंतरिम बजट में किया गया है। तीन नये रेलवे कॉरिडोर शुरू करने की बात अंतरिम बजट में कही गई है। सरकार धार्मिक पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है। उसमें रेलवे कॉरिडोर की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। अंतरिम बजट पर भरोसा दिलाया गया है,कि यात्री ट्रेनों की परिचालन में सुधार किया जाएगा। 40000 यात्री डिब्बों को वंदे भारत के कोच में बदलने तथा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हवाई अड्डों की संख्या बढ़ाने की बात कही गई है। एक करोड़ घरों को 300 यूनिट बिजली सोलर ऊर्जा के माध्यम से देने की बात कही गई है। निश्चित रूप से जिन स्थानों पर अभी तक बिजली नहीं पहुंची है। वहां पर सरकार अब रुफटाप के जरिए बिजली पहुंचाने की व्यवस्था करेगी। ऐसा माना जा रहा है। अगले 10 साल में 149 नए एयरपोर्ट बनाने की बात बजट में कही गई है। बड़े शहरों में नमो मेट्रो का संचालन करने,जिला अस्पतालों को मेडिकल कॉलेज में बदलने के लिए समिति के गठन करने का भरोसा बजट में दिया गया है। सरकार ने मिडिल क्लास के लिए नई आवास योजना लागू किए जाने पर प्रतिबद्धता जताई है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने पिछले 10 साल की उपलब्धियां को गिनाते हुए कहा, कि जीडीपी तेजी के साथ बढ़ी है। गवर्नमेंट, डेवलपमेंट ओर परफॉर्मेंस का उन्होंने नया अर्थ समझाया है। पिछले 10 साल में 30 करोड़ मुद्रा योजना के लोन, ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं को 70 फीसदी आवास दिए जाने का उल्लेख उन्होंने किया है। सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में, उन्होंने कहा 25 करोड लोग, गरीबी रेखा से बाहर आ गए हैं। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार गरीब, महिला, युवा और अन्नदाता पर ध्यान केंद्रित करके सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर काम कर रही है।

2024 के लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए लोगों को इस अंतरिम बजट से बहुत आशा थी। विशेष रूप से महंगाई और बेरोजगारी की समस्या से राहत दिलाने के लिए लोग आशा कर रहे थे। मध्यम वर्ग भी आशा कर रहा था, कि उसे टैक्स स्लैब में छूट मिलेगी। युवाओं को नौकरी और रोजगार के लिए ऋण को लेकर बहुत सारी उम्मीदें थी। जो अंतरिम बजट पेश हुआ है। उसको देखते हुए लगता है, सरकार अर्थव्यवस्था के दबाव से गुजर रही है। वर्तमान स्थिति में लोक लुभावन योजनाओं जिसमें किसानों को 12 हजार तथा महिलाओं को 12 हजार देने थे। उसके लिए सरकारी खजाने ने अनुमति नहीं दी। 58 मिनट के केंद्रीय वित्त मंत्री के बजट भाषण में ऐसा कुछ सामने नहीं आया। जिसका उल्लेख किया जा सके। कॉरपोरेट टैक्स कम होने के बाद,शेयर मार्केट ने हिचकोले लेना शुरू कर दिया। बजट पेश होने के पहले शेयर मार्केट में तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। लेकिन अंतरिम बजट पेश हो जाने के बाद शेयर मार्केट में गिरावट देखी गई। इस अंतरिम बजट से इतना तो तय है, कि सरकार पर अर्थव्यवस्था को लेकर भारी दबाव है। जीएसटी और प्रत्यक्ष करों में बढ़ोतरी होने के बाद भी ,सरकार का राजकोषीय घाटा बढ़ना और परियोजनाएं को संचालित करने के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध नहीं 2024 का लोकसभा चुनाव सामने होने के बाद भी सरकार कोई राहत आम जनता को नहीं दे पाई। सरकार ने जो अंतरिम बजट पेश किया है। यह कुछ माह की आय और व्यव को ध्यान में रखकर पेश किया है। इस अंतरिम बजट में सरकार ने अगले 10 साल और 2047 तक का खाका पेश करके जनता को सपने दिखाने का प्रयास किया है। अंतरिम बजट सपनों का बजट है।

ईरान-पाक संघर्ष: भारत की सुरक्षा संबंधी चिंताएं

शगुन चतुर्वेदी

पाकिस्तान द्वारा सुन्नी आतंकवादी समूह जैश-अदल को रोकने में विफल रहने पर ईरान ने पिछले हफ्ते ईरान-पाकिस्तान बॉर्डर पर हवाई हमले किए। दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान की धरती से ईरान विरोधी गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है। जवाब में पाकिस्तानी वायु सेना ने भी ईरानी क्षेत्र में बलूच अलगाववादी शिविरों पर हमले किए। इस्लामाबाद का दावा है कि ऑपरेशन 'मार्ग बार सर्माचर' के दौरान कई आतंकवादी मारे गए।

एक बात तो स्पष्ट है कि वर्तमान में पश्चिम एशिया में दो युद्ध क्षेत्र बनते जा रहे हैं, जिससे समूचे क्षेत्र में शांति के लिए खतरा बनेगा। युद्ध का पहला क्षेत्र गाजा है जहां पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास के हमलों के कारण इस्त्राइल और हमास के बीच युद्ध चल रहा है। दूसरे क्षेत्र के रूप में ईरान-पाकिस्तान के बीच शुरू हुआ यह संघर्ष है। प्रश्न उठता है कि क्या इतने के बाद दोनों देशों के बीच टकराव खत्म हो जाएगा या और यह बड़े टकराव का रूप लेने वाला है? क्या पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई करके ईरान को और मजबूत बना दिया है? अमेरिका और ईरान के बीच लंबे संघर्ष के बावजूद अमेरिका ने कभी ईरान की सीमा के भीतर हमला किया हो, ऐसा नहीं जान पड़ता। इस्त्राइल और ईरान ने कट्टर दुश्मन होने पर भी कभी एक दूसरे की सीमा के अंदर आने का जोखिम नहीं उठाया। मगर पाकिस्तान ने यह जोखिम उठाया है। सवाल है कि इसके जवाब में ईरान का अगला कदम क्या हो सकता है। ऐसा भी माना जा रहा है कि ईरान भारी दबाव में है क्योंकि अमेरिका और इस्त्राइल, दोनों हमास के हमलों में उसकी भूमिका और फिलिस्तीनी संगठन के सक्रिय समर्थन के लिए पश्चिम एशियाई राष्ट्र पर हमला करने के लिए तैयार हैं। यमन के हूथी समूह और लेबनान के हिजबुल्ला के समर्थन देने के कारण अमेरिका ईरान से नाराज है वहीं इस्त्राइल ने भी चेताया है कि हिजबुल्ला को ईरान बाहरी समर्थन देता रहा तो वह युद्ध को लेबनान तक ले जाने में संकोच नहीं करेगा।

पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर ईरानी एयरस्ट्राइक के मामले पर भारत सरकार ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे आत्मरक्षा के लिए कार्रवाई बताया है। नई दिल्ली ने कहा, 'यह ईरान और पाकिस्तान के बीच का मामला है। जहां तक भारत का सवाल है, आतंकवाद के प्रति हमारी जीरो टोलरेंस की नीति है। हम उन कार्रवाइयों को समझते हैं, जो देश अपनी आत्मरक्षा में करते हैं'। जगजाहिर है कि भारत हमेशा से आतंकवाद खासकर पाकिस्तान की धरती से चलने वाले आतंकवाद को लेकर वैश्विक स्तर पर ध्यान खींचता रहा है, और आतंकवादियों के मंसूबों पर कार्रवाई भी करता आया है। हालांकि तेहरान और इस्लामाबाद के बीच संबंधों का इतिहास पुराना है। ईरान के शाह ने 1950 में पाकिस्तान का दौरा किया था और पाकिस्तान को मान्यता देने वाला पहला देश होने का गौरव हासिल किया था। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए दो युद्धों में ईरान में पाकिस्तान का साथ दिया था। 1965 के युद्ध में पाकिस्तानी वायु सेना की रक्षा में ईरान मजबूती के साथ खड़ा रहा। 1971 के युद्ध में भी ईरान ने पाकिस्तान का साथ दिया था।

बात अगर भारत की है तो ईरान के साथ उसके रिश्तों में सुधार 1970 के बाद से आना शुरू हुआ जब भारत ने ईरान से बड़ी मात्रा में तेल खरीदना शुरू किया। आज समय ऐसा है जब भारत और ईरान पाकिस्तान द्वारा पोषित सुन्नी कट्टरपंथी समूह से संघर्ष कर रहे हैं। 2016 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ईरान दौरे से दोनों देशों के बीच जिस 'दोस्ती' की मिसाल दी गई, उसको ईरान ने एक साल बाद ही कश्मीर पर भारत के खिलाफ दिए बयान से खत्म कर दिया। पश्चिम एशिया में चीन की घुसपैठ ने ईरान को भी नहीं छोड़ा है। चीन के 400 अरब डॉलर के लुभावने निवेश का शिकार ईरान हो चुका है। वैसे देखें तो पाकिस्तान और ईरान के संघर्ष के इलाकों में सबसे ज्यादा निवेश चीन का ही है। चीन ने अब दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की सलाह दी है।

दरअसल, ईरान और पाकिस्तान का एक दूसरे के इलाकों पर हमला करने से भारत भी प्रभावित होने वाला है। कूटनीतिक रूप से भारत क्षेत्रीय स्थिरता के लिए मध्य-पूर्व के कई देशों के साथ जुड़ा हुआ है। ऐसे में मध्य-पूर्व में सुरक्षा को लेकर भारत को भी पहले से अपने रुख को बदलने की जरूरत पड़ सकती है। दोनों देशों के बीच तनाव से ऊर्जा सुरक्षा क्षेत्र में प्रभाव पड़ना निश्चित है क्योंकि ईरान भारत के लिए तेल का महत्त्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता है। इस क्षेत्र में तनाव का मतलब व्यापार मार्गों और कनेक्टिविटी प्रभावित होना भी है। पश्चिम एशिया में अस्थिरता भी भारत के लिए चिंता का विषय है, विशेषकर सऊदी अरब और इराक से ईंधन शिपमेंट पर भारत बहुत अधिक निर्भर है। भारत विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर भी काम कर रहा है, जिनमें ईरान और पाकिस्तान, दोनों शामिल हैं, जैसे चाबहार बंदरगाह परियोजना। यह संघर्ष ऐसी पहलों की प्रगति और व्यवहार्यता को प्रभावित करने वाला है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था
2047 तक विकसित देश का रूप ले लेगा भारतः सीतारमण

- देश में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए
- पीएम मुद्रा योजना में 22.5 लाख करोड़ लोन
- अंतरिम बजट में टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं किया गया

देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम बजट पेश कर दिया है। इस बार उन्होंने अपने कार्यकाल का छठा बजट पेश किया है। बजट भाषण में उन्होंने कहा हाल के दिनों में भारतीय अर्थव्यवस्था में काफी बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने जब 2014 में देश की सत्ता संभाली थी, तब सरकार के सामने कई बडी चुनौतियां थीं। जनता के हित में कई कार्यक्रम और योजनाए बनाई गईं ताकि अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले और लोगों को रोजगार मिल सके। सभी श्रेणियों और जनता के लिए सभी का विकास की बात की गई है। 2047 तक हम भारत को विकसित देश बनाएंगे।

बता दें कि इससे पहले अंतरिम बजट साल 2019 में पेश किया गया था। तत्कालीन वित्तमंत्री अरुण जेटली की तबीयत खराब होने की वजह से तब पीयूष गोयल ने अंतरिम बजट पेश किया था। इस बार का अंतरिम बजट कई मायनों में काफी अहम माना जा रहा है। माना जा रहा है कि इस बजट से बुनियादी सेक्टर को ताकत मिलेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश में 7 आईआईटी, 16 आईआईआईटी, 15 एम्स और 7 आईआईएम खोले गए हैं। पीएम मुद्रा योजना में 22.5 लाख करोड़ के लोन दिए हैं। 54 लाख लोगों री-स्किल किया गया है। 10 साल में महिला सशक्तिकरण में बड़ा रिफॉर्म हुआ है।

पीएम आवास में 70प्र. घर महिलाओं को दिए गए हैं। देश की अर्थव्यवस्था संतोषजनक गति आगे बढ़ रही है। ॉनिवेश तेजी से बढ़ रहा है। महंगाई नियंत्रित है और अर्थव्यवस्था में सुधार देखने को मिला है। तय समय पर सभी प्रोजेक्ट पूरे किए जा रहे हैं। औसतन हाउसहोल्ड अ में 50 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सरकार ने 'सिटीजन फर्स्ट' पर काम किया है। इस दौरान टैक्स का दायरा बढ़ाया गया है। डिजिटल, सोशल इंफ्रा रिकॉर्ड समय पर तैयार हुआ गिफ्ट आईएफएससी के जरिए ग्लोबल कैपिटल इनफ्लो में सुधार हुआ है। टैक्स स्लैब में क बदलाव नहीं किया गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पिछले 10 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। पीएम स्वनिधि से 78 लाख वेंडर्स को सहायता मिली है। जनधन के जरिए लाख करोड़ रुपए सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ' के लक्ष्य से 9 करोड़ लोगों को फायदा होगा। सरकार करीब 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध क रही है। हाउसिंग, पावर और पानी हर घर पहुंचाने की कोशिश की गई है।

हमारा लक्ष्य 2027 तक देश को विकसित बनाना है। सरकार ने एमएसपी बढ़ाकर किसानों आय बढ़ाने की कोशिश की है। सरकार का फोकस लगातार गरीब, महिला और युवा सशक्तिकरण पर रहा है। गरीब कल्याण से देश का कल्याण होगा। इसलिए इस सरकार क फोकस गरीब वर्ग पर रहा है। पीएम स्वनिधि योजना से 78 लाख वेंडर्स को मदद मिली है। लाख करोड़ जनधन के जरिए सीधे बैंक अकाउंट्स में ट्रांसफर किए गए हैं। 10 साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है।

कृषि क्षेत्र में मूल्य-वर्द्धन और किसानों की आय बढ़ाने का वादा किया

- पीएम किसान सम्मान योजना के अंतर्गत 11.8 करोड़ किसानों को सीधी वित्तीय सहायता
- पीएम फसल बीमा योजना के अंतर्गत 4 करोड़ किसानों को फसल बीमा
- सभी कृषि जलवायु क्षेत्रों में विभिन्न फसलों पर नैनो डीएपी का प्रयोग

केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आज लोकसभा में अंतरिम बजट 2024-25 पेश करते हुए कहा कि किसानों का कल्याण और ग्रामीण मांग को बढ़ाना अंतरिम बजट की प्रमुख विशेषताओं में से एक है। किसानों को अपने 'अन्नदाता' बताते हुए श्रीमती सीतारमण ने कहा कि अन्नदाता के उत्पाद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में उचित रूप से समय-समय पर वृद्धि की गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि पीएम-किसान सम्मान योजना के अंतर्गत हर वर्ष सीमांत और छोटे किसानों सहित 11.8 करोड़ किसानों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जबकि पीएम फसल बीमा योजना के अंतर्गत 4 करोड़ किसानों को फसल बीमा प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि अनेक दूसरे कार्यक्रमों के अलावा इन उपायों से 'अन्नदाता' को देश और पूरी दुनिया के लिए अन्न पैदा करने में सहायता दी जा रही है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि 80 करोड़ लोगों के लिए निःशुल्क राशन के माध्यम से भोजन से जुड़ी चिंताओं को समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अंतरिम बजट 2024-25 में कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्द्धन और किसानों की आय बढ़ाने के लिए कदम उठाने का वादा किया गया है। केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की तीव्र वृद्धि को सुनिश्चित करने के लिए समावेशी, आधुनिक भंडारण, पर्याप्त आपूर्ति श्रृंखला, प्राथमिक और द्वितीयक प्रसंस्करण एवं विपणन और ब्रांडिंग सहित फसल कटाई के पश्चात की गतिविधियों में निजी और सार्वजनिक निवेश को भविष्य में बढावा देने का वादा किया।

वित्त मंत्री ने कहा कि कृषि-क्षेत्र समावेशी, संतुलित, उच्चतर संवृद्धि और उत्पादकता की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र को कृषक-केंद्रित नीतियां लाकर, किसानों को उनके आय अर्जन में सहायता देकर, कीमत और बीमा के माध्यम से जोखिम कवरेज देकर, स्टार्ट-अप के माध्यम से प्रौद्योगिकी और नवाचारों को बढ़ावा देकर सुगम किया गया है। वित्तमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना से 2.4 लाख स्व-सहायता समूहों (एसएचजी) और साठ हजार व्यक्तियों को ऋण सुविधा प्राप्त करने में सहायता मिली है। वित्तमंत्री ने कहा कि फसल कटाई के बाद होने वाली हानि को कम करने और उत्पादकता एवं आमदनी बढ़ाने के प्रयासों में अन्य योजनाओं से मदद मिल रही है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना से 38 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं और रोजगार के 10 लाख अवसरों का सृजन हुआ है।

वित्तमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट ने 1361 मंडियों को एकीकृत कर दिया है और इसमें 3 लाख करोड़ रुपये मूल्य का कारोबार हो रहा है एवं 1.8 करोड़ किसानों को सेवाएं मिल रही हैं। वित्तमंत्री ने कहा कि मूलभूत आवश्यकताओं के इन प्रावधानों ने ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक आय में वृद्धि की है। किसानों की आर्थिक आवश्यकताओं का समाधान निकाला है और इस प्रकार से यह उपाय कृषि क्षेत्र में निरंतर वृद्धि करते हुए रोजगारों का सृजन कर रहे हैं।

आत्मनिर्भर तिलहन अभियान

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट 2024-25 पेश करते हुए कहा कि सरसों, मूंगफली, तिल, सोयाबीन और सूरजमुखी जैसे तिलहनों के संबंध में 'आत्मनिर्भरता' प्राप्त करने के लिए कार्यनीति तैयार की जाएगी। वित्तमंत्री ने कहा कि इसमें अधिक उपज देने वाली किस्मों के लिए अनुसंधान, आधुनिक कृषि तकनीकों को व्यापक पैमाने पर अपनाने, बाजार संपर्कों, खरीद, मूल्य-वर्धन और फसल बीमा को शामिल किया जाएगा।

नैनो डीएपी

केंद्रीय वित्तमंत्री ने अपने संभाषण में कहा कि नैनो यूरिया को सफलतापूर्वक अपनाए जाने के बाद सभी कृषि-जलवायु क्षेत्रों में विभिन्न फसलों पर नैनो डीएपी को अपनाया जाएगा।

इन्कम टैक्स में कोई बदलाव नहीं

- पिछले एक दशक में प्रत?यक्ष कर संग्रह तीन गुना से भी अधिक बढ़ गया है और
- रिटर्न दाखिल करने वालों की संख?या बढ़कर 2.4 गुना हो गई है- केन्?द्रीय वित्त मंत्री
- रिटर्न की प्रोसेसिंग में लगने वाला औसत समय वर्ष 2013-14 के 93 दिनों से काफी घटकर अब केवल 10 दिन रह गया है

केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आज संसद में अंतरिम बजट 2024-25 पेश करते हुए कहा, 'पिछले एक दशक में प्रत्यक्ष कर संग्रह तीन गुना से भी अधिक बढ़ गया है और रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या बढ़कर 2.4 गुना हो गई है।' वित्त मंत्री ने करदाताओं को आश्वस्त किया कि उनके कर योगदान का व्यापक उपयोग देश के विकास और देशवासियों के कल्याण के लिए किया गया है। उन्होंने करदाताओं के व्यापक सहयोग के लिए उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की।

श्रीमती सीतारमण ने यह भी कहा कि नई कर व्यवस्था के तहत कर दरों को घटा दिया गया है और इसके साथ ही उन्हें तर्कसम्मत बना दिया गया है। 7 लाख रुपये तक की आय वाले करदाताओं पर अब कोई कर देनेदारी नहीं है, जो कि वित्त वर्ष 2013-14 में महज 2.2 लाख रुपये ही थी। खुदरा व्यवसाय के लिए अनुमानित कराधान की आरंभिक सीमा को 2 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 3 करोड़ रुपये कर दिया गया। इसी तरह अनुमानित कराधान के योग्य माने जाने वाले प्रोफेशनलों के लिए संबंधित आरंभिक सीमा को 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 75 लाख रुपये कर दिया गया। इसके साथ ही मौजूदा घरेलू कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर को 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत कर दिया गया और कुछ विशेष नई विनिर्माण कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर को घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया।

केन्द्रीय वित्त मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले पांच वर्षों में सरकार का फोकस करदाताओं को दी जाने वाली सेवाओं को बेहतर करने पर रहा है। उन्होंने कहा, 'फेसलेस आकलन और अपील की शुरुआत करने के साथ ही अत?यंत पुरानी क्षेत्राधिकार आधारित आकलन प्रणाली अब पूरी तरह से बदल गई है जिससे इसमें दक्षता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही काफी हद तक बढ़ गई है।'

श्रीमती सीतारमण ने इस बात पर भी विशेष जोर दिया कि अद्यतन आयकर रिटर्न, एक नए फॉर्म 26एएस और पहले से ही भरे टैक्स रिटर्न की शुरुआत करने से टैक्स रिटर्न भरना अब और भी ज्यादा सरल एवं आसान हो गया है जिसके परिणामस्वरूप रिटर्न की प्रोसेसिंग में लगने वाला औसत समय वर्ष 2013-14 के 93 दिनों से काफी घटकर इस वर्ष महज 10 दिन रह गया है जिससे रिफंड अब और भी तेजी से करना संभव हो गया है।

मोदी सरकार के अंतरिम बजट की 10 बड़ी बातें

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार 2.0 का आखिरी बजट पेश किया। चूंकि यह बजट अल्प समय के लिए ही है और पूर्ण बजट जुलाई 2024 में नई सरकार बनने के बाद पेश किया जाएगा। ऐसे में इसमें कोई भी बड़ी घोषणा नहीं की गई है। बजट में किसान, महिलाएं, गांव-गरीब और युवाओं की बात की गई है। आइए जानते हैं केन्द्रीय बजट की 10 बड़ी बातें....

विकसित भारत : निर्मला सीतारमण ने कहा कि हमारी सरकार सर्वांगीण, सर्वसमावेशी और सर्वव्यापी विकास की दिशा में काम कर रही है। 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य में किसानों, गरीबों तथा अन्य सभी वर्गों को शामिल कर उनका विकास सुनश्चित करने के लिए काम कर रही है। जुलाई के बजट में विकसित भारत का रोड मैप प्रस्तुत किया जाएगा।

टैक्स में बदलाव नहीं : हालांकि सरकार ने टैक्स पेयर्स को निराश किया। इस बार टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पुरानी व्यवस्था को यथावत रखा गया है। नए टैक्स रेजीम में 7 लाख रुपए तक की आमदनी पर कोई भी टैक्स नहीं है। वित्तमंत्री ने कहा- पिछले 10 साल में पर्सनल इनकम टैक्स फाइल करने के वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ी है। सीतारमण ने कहा कि टैक्स एसेसमेंट की समय सीमा 93 दिन से घटाकर अब 10 दिन कर दी गई है इससे लोगों को जल्दी रिफंड मिलने लगा है।

स्वास्थ्य : प्रधानमंत्री स्वास?थ्य सुरक्षा योजना के लिए सरकार ने 2400 करोड़ रुपए की घोषणा की है। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए टीकाकरण को बढ़ावा देने की बात कही है। यह भी कहा गया है कि 9 से 14 साल की लड़कियों के टीकाकरण पर खास ध्यान दिया जाएगा। सरकार ने नए मेडिकल कॉलेज खोलने की बात भी कही है।

महिलाओं पर खास जोर : अंतरिम बजट में महिलाओं खासकर गरीब महिलाओं के लिए ज्यादा घोषणाएं की गई हैं। सीतारमण ने आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ ही आंगनवाड़ी सहायकों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने की बात कही है। लखपति दीदी का लक्ष्य बजट 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ कर दिया गया है। यह भी कहा गया है कि 1 करोड़ लखपति दीदी बनाई जा चुकी हैं।

जनसंख्या नियंत्रण : देश में बढ़ती जनसंख्य का मुद्दा समय-समय पर उठता रहा है। इस बजट के माध्यम से सरकार जनसंख्या पर फोकस करने जा रही है। घोषणा के मुताबिक जनसंख्या को लेकर एक कमेटी का गठन किया जाएगा। विकसित भारत के हिसाब से कमेटी काम करेगी। हो सकता है कि आने वाले समय में सरकार जनसंख?या को लेकर अपनी नीति की घोषणा कर सकती है।

पर्यटन पर जोर : मालदीव के साथ जारी विवाद के बीच सरकार ने एक बार फिर बजट में लक्षद्वीप की चर्चा की है। वित्तमंत्री ने कहा- लक्षद्वीप के विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए वहां बुनियादी ढांचा बढ़ाया जाएगा। अन्य राज्यों में भी पर्यटन केन्द्रों का व्यापक विकास किया जाएगा। पर्यटन सुविधाओं के निर्माण के लिए राज्यों को विशेष सहायता दी जाएगी।

गांव-गरीबों की बात : वित्त मंत्री ने कहा गांव-गरीबों की बात करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध करवाया गया। यह भी दावा किया गया कि 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की आय बढ़ाने के लिए काम किया गया। इससे लोगों को फायदा हुआ। वित्त मंत्री ने कहा कि सामाजिक न्याय हमारी सरकार का मॉडल है। अगले 5 साल में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2 करोड़ घर और बनाने की घोषणा की गई है।

युवाओं को सशक्त बनाने पर जोर : सरकार युवाओं यानी अमृत पीढ़ी को सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रही है। सीतारमण ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 देश में क्रांतिकारी सुधारों की नींव रख रही है। पीएम स्कूल और पीएम श्री योजनाएं छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रही हैं। कौशल भारत अभियान के तहत एक करोड़ 40 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है, 54 लाख युवाओं के कौशल को और अधिक निखारा गया है। सरकार ने 3 हजार आईटीआई खोले हैं। उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 7 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, 16 भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, 7 भारतीय प्रबंधन संस्थान, 15 एम्स और 390 विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई है।

रेल और हवाई यातायात : वित्तमंत्री ने रेल यात्रियों की सुविधाओं के लिए 40 हजार सामान्य बोगियों को वंदे भारत कोचों में बदला जाएगा। इससे यात्रा सुविधाजनक होगी। 3 प्रमुख रेलवे कॉरिडोर बनाए जाने की बात भी कही गई। हवाई यातायात पर चर्चा करते हुए वित्तमंत्री ने कहा- 10 साल में एयरपोर्ट की संख्या दोगुनी हुई। आज पूरे देश में 149 एयरपोर्ट काम कर रहे हैं। देश में 1000 से अधिक नए एयरक्रॉफ्ट का ऑर्डर दिया गया।

किसानों को राहत : सरकार गरीबों के साथ ही किसानों पर भी ध्यान दे रही है। यूरिया सब्सिडी के लिए 1 लाख 64 हजार करोड़ रुपए की घोषणा की गई है। वित्त मंत्री ने कहा- नैनो यूरिया को सफलतापूर्वक अपनाया गया है। किसानों का उत्पादन बढ़े और उनकी आय बढ़े इस दिशा में खास प्रयास किए गए। किसान संपदा योजना के माध्यम से किसानों को फायदा पहुंचाया गया। मछली पालन के लिए अलग विभाग बनाया गया है। पीएम मत्स्य संपदा योजना को बढ़ावा दिय गया है।

दूसरे टेस्ट में जीत के साथ वापसी करना चाहेगी भारतीय टीम

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय टीम शुक्रवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के साथ ही सीरीज में वापसी करने उतरेगी। भारतीय टीम को पहले ही टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा था। जिससे वह सीरीज में 1-0 से पीछे है। इस मैच में भारतीय टीम को ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा और केएल राहुल के बिना उतरना होगा। ऐसे में युवा सरफराज खान और रजत पाटीदार को खेलने का अवसर मिल सकता है। भारतीय टीम पहले मैच में इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पायी थी। ऐसे में इस मैच में भारतीय बल्लेबाज मेहमान टीम के स्पिनरों के खिलाफ कोई गलती नहीं करना चाहेंगे। इसी कारण टीम ने जमकर अभ्यास भी किया था। भारतीय बल्लेबाजों को नेट्स में परंपरागत शॉट्स के साथ स्वीप शॉट और रिवर्स स्वीप शॉट भी अभ्यास करते देखा गया था। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस मैच में भी नहीं खेलेंगे, वहीं जडेजा और राहुल बाहर हो गये हैं। इस प्रकार कुल तीन अहम खिलाड़ियों की कमी युवा खिलाड़ियों को पूरी करनी होगी। इससे भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप में बदलाव देखा जाएगा। इन हालातों में पाटीदार, सरफराज और र वाशिंगटन सुंदर के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर है।

इस मैच में श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल को भी रन बनाने होंगे, पिछले कुछ समय से ये दोनो ही लय में नहीं हैं। इसके अलावा कप्तान रोहित को अपनी पारी को मैच जिताने वाली पारी में बदलना होगा। रोहित शर्मा चार हजार टेस्ट रन पूरे करने से 200 रन दूर हैं और प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इस मैच में ये उपलब्धि हासिल कर लेंगे।

भारतीय टीम ने विशाखापत्तनम में पहले भी दो टेस्ट खेले हैं और यहां उसका रिकॉर्ड शानदार रहा है। ऐसे में उसका पलड़ा भारी नजर आ रहा है। दूसरी ओर पहला टेस्ट जीतकर इंग्लैंड की टीम का मनोबल भी बढ़ा हुआ है और वह इस मैच में भी पूरे उत्साह से उतरेगी हालांकि प्रमुख स्पिनर जैक लीच के नहीं होने से उसे झटका लगा है। ऐसे में टीम युवा स्पिनर शोएब बशीर को उतार सकती है। तेज गेंदबाज के तौर पर उसके पास मार्क वुड और जेम्स एंडरसन जैसे गेंदबाज हैं। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजी को धवस्त करने वाले स्पिनर टॉम हार्टले इस मैच में भी वही प्रदर्शन दोहराना चाहेंगे। जहां तक बल्लेबाजी की बात है टीम के पास जो रुट जैसा अनुभवी बल्लेबाज है। पहले टेस्ट में नाबाद शतक लगाकर मैच को अपनी टीम की ओर मोड़ने वाले ऑली पोप इस मैच में भी जबरदस्त प्रदर्शन करना चाहेंगे। ऑली की पारी से ही इंग्लैंड टीम को पहले मैच में जीत मिली थी।

टीम

भारत = रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, रजत पाटीदार, के एस भरत (विकेटकीपर), आर अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रित बुमरा और मोहम्मद सिराज

इंग्लैंड= बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बेन फॉक्स (विकेटकीपर), टॉम हार्टले, शोएब बशीर, मार्क वुड और जेम्स एंडरसन।

चेन्नई ओपन में भारतीय पुरुष एकल चुनौती की अगुआई करेंगे सुमित नागल

मुम्बई (एजेंसी)। हाल में ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में वरीय खिलाड़ी को पराजित करने वाले पहले भारतीय बने सुमित नागल रविवार से शुरू होने वाले चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर 100 टूर्नामेंट के पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। नागल (26 वर्ष) ने पिछले महीने आस्ट्रेलियाई ओपन में कजाखस्तान के 31वें वरीय और विश्व रैंकिंग में 27वें स्थान पर काबिज एलेक्जैंडर बुलब्लिक को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया था। अभी उनकी विश्व रैंकिंग 121 है। रामकुमार रामनाथन और मुकुंद शशिकुमार पुरुष एकल में अन्य भारतीय खिलाड़ी होंगे जिन्हें मुख्य ड्रा में वाइल्डकार्ड दिया गया है। इटली के लुका नार्डी शीर्ष वरीय खिलाड़ी होंगे। टूर्नामेंट में 14 देशों के खिलाड़ी शिरकत कर रहे हैं लेकिन पिछले साल के विजेता आस्ट्रेलिया के मैक्स पुर्सेल इस दफा हिस्सा नहीं ले रहे हैं क्योंकि वह अन्य एटीपी प्रतियोगिता में खेल रहे हैं। युगल वर्ग में भारत के अर्जुन काधे और जीवन नेदुनचेझियान शीर्ष वरीय हैं। देश में खेले जाने वाली चार चैलेंजर सीरीज में यह पहला टूर्नामेंट हैं जबकि अन्य बेंगलुरु, पुणे और दिल्ली में खेले जायेंगे। एकल मुख्य ड्रा में 32 खिलाड़ी और युगल में 16 जोड़ियां हार्डकोर्ट पर उतरेंगी जिसकी कुल पुरस्कार राशि 1,33,250 डॉलर होगी। भारत के महान टेनिस खिलाड़ी और तमिलनाडु टेनिस संघ के अध्यक्ष विजय अमृतराज ने कहा, ''एटीपी चैलेंजर जैसे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करना सबूत है कि ये भारतीय खिलाड़ियों को विश्व मंच पर शानदार प्रदर्शन करने के लिए फायदेमंद हैं।' उन्होंने रोहन बोपन्ना को आस्ट्रेलियाई ओपन युगल खिताब जीतने और एटीपी युगल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने के लिए बधाई देते हुए कहा, ''मैं रोहन बोपन्ना को दुनिया का नंबर एक युगल खिलाड़ी बनने और आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने के लिए बधाई देकर खुश हूं। यह रोहन के शानदार उपलब्धि है और 43 वर्ष की उम्र में यह खिताब मिलना और ज्यादा शानदार है।

अंडर 19 विश्व कप: आखिरी सुपर सिक्स मैच में नेपाल से होगा भारत का सामना

ब्लोमफोन्टेन (एजेंसी)। शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय टीम शुक्रवार को यहां आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के ग्रुप वन के आखिरी सुपर सिक्स मैच में उतरेगी तो नेपाल को हराकर सेमीफाइनल में पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरने का लक्ष्य होगा। सुपर सिक्स से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी।

पाकिस्तान (प्लस 1.06) और भारत (प्लस 3.32) दोनों के छह अंक हैं लेकिन नेट रनरेट बेहतर होने से भारत शीर्ष पर है। उदय सहारन की कप्तानी वाली भारतीय टीम अभी तक हारी नहीं है और नेपाल जैसी कमजोर टीम से किसी उलटफेर की उम्मीद भी नहीं है। भारत ने ग्रुप वन में सारे मैच जीते हैं जबकि नेपाल ने एक भी मैच नहीं जीता।

मुंबई के बल्लेबाज सरफराज के छोटे भाई मुशीर खान ने 81 से ऊपर की औसत से दो शतक समेत 325 रन बनाए हैं। मुशीर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 30 जनवरी को 126 गेंद में 131 रन बनाए जिसकी मदद से भारत ने 214 रन से जीत दर्ज की। बाएं हाथ के स्पिनर स्वामी कुमार पांडे ने अभी तक 12 विकेट ले लिए हैं। इन दोनों के अलावा कप्तान सहारन, विकेटकीपर बल्लेबाज अरावल्ली अवनीश, आक्रामक हरफनमौला अर्शिन कुलकर्णी ने भी समय समय पर उम्दा प्रदर्शन किया है।

सलामी बल्लेबाज आदर्श सिंह लगातार अच्छा नहीं खेल सके हैं लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ अर्धशतक से उनका आत्मविश्वास बढा होगा । बायें हाथ के तेज गेंदबाज नमन तिवारी ने पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन किया है। नेपाल ने प्रारंभिक चरण में अफगानिस्तान को हराया था जिसमें कप्तान देव खानाल ने 58 रन बनाये जबकि मध्यम तेज गेंदबाज आकाश चंद ने पांच विकेट लिए थे।

सरफराज या पाटीदार में से किसी एक का चयन करना कठिन : राठौड़

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा है कि यहां शुक्रवार से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में सरफराज खान या रजत पाटीदार में से किसे अंतिम ग्यारह में अवसर मिलेगा बता पाना कठिन है क्योंकि दोनो का ही प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। केएल राहुल और रविन्द्र जडेजा के चोटिल होने के कारण टीम में हुए बदलाव के तहत ही रजत और सरफराज को टीम में जगह मिली है।

राठौड़ ने हाल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर का भी बचाव किया। राठौड़ ने सरफराज और पाटीदार में से किसी अवसर मिलेगा। इसको लेकर कहा कि यह एक कठिन विकल्प होगा। हाल में रजत का प्रदर्शन काफी अच्छा

रहा है। उन्होंने इंग्लैंड लायंस टीम के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की है। उन्होंने अपने पूरे जीवन में रणजी ट्रॉफी में मध्य प्रदेश के लिए नंबर 4 और नंबर 5 पर बल्लेबाजी की है और 46 की औसत से 4000 रन बनाए हैं। दूसरी ओर सरफराज ने भी पिछले तीन मैचों में मुंबई और भारत ए की ओर से नंबर 5 पर बल्लेबाजी की है।दूसरे टेस्ट से पहले पुरुष चयन समिति ने सरफराज खान, सौरभ कुमार और वाशिंगटन सुंदर को भी भारतीय टीम में शामिल किया है।

सरफराज भी इस मैच में अंतिम ग्यारह में जगह हासिल कर सकते हैं। केएल राहुल अभी दाहिने जांघ की मांसपेशी में खिंचाव के कारण बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह सरफराज को अवसर मिल सकता है। इसके अलावा सौरभ कुमार, वॉशिंगटन सुंदर और रजत पाटीदार भी जगह बनाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि अंतिम ग्यारह का फैसला कोच और कप्तान लेंगे और इसपर वह कुछ नहीं कह सकते।

इंग्लैंड के स्पिनर लीच दूसरे टेस्ट से बाहर हुए , बशीर को मिल सकता है अवसर

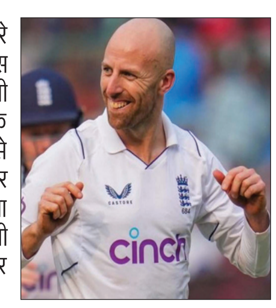

विशाखापत्तनम ।इंग्लैंड के स्टार स्पिनर जैक लीच चोटिल होने के कारण शुक्रवार से यहां भारतीय टीम के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं ।जैक का बाहर होना मेहमान टीम के लिए एक करारा झटका है ।इंग्लैंड टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि लीच घुटने में चोट के कारण दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पायेंगे ।लीच को ये चोट हैदराबाद में हुए पहले क्रिके टेस्ट मैच में लगी थी ।लीच ने पहले मैच में चोटिल होने के बाद भी गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी ।अब उनके नहीं खेलने से टीम को गेंदबाजी आक्रमण कमजोर होगा ।लीच इंग्लैंड की वर्तमान टीम के सबसे अनुभवी और सफल स्पिनर हैं ।ऐसे में अब उनके बाहर होने पर नये गेंदबाज शोएब बशीर को अवसर मिल सकता है ।बशीर हाल ही में टीम ने जुड़े हैं ।20 साल के बशीर ऑफ स्पिनर हैं ।विशाखापत्तनम की पिच स्पिनरों की सहायक हो सकती है ।इसी कारण उन्हें लीच का सबसे बेहतर विकल्प माना जा रहा है ।इस स्पिनर ने हालांकि अब तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है ।लीच के बाहर होने के बाद भी मेहमान टीम का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नहीं कहा जा सकता है क्योंकि उसके पास टॉम हार्टली जैसा स्पिनर भी है ।हार्टली ने पहले टेस्ट में शानदार गेंदबाजी कर सबसे ज्यादा विकेट लिए थे ।

कुश्ती महासंघ के निलंबित अध्यक्ष संजय बोले, सरकार से बात कर निलंबन समाप्त कराने का प्रयास करेंगे

नई दिल्ली ।भारतीय कुश्ती महासंघ के निलंबित अध्यक्ष संजय सिंह का कहना है कि वह अगले दस दिनों में सरकार से बात कर अपना निलंबन समाप्त कराने और कामकाज शुरु करने का प्रयास करेंगे ।संजय को कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पद के चुनावों में जीत मिली थी लेकिन यौन उत्पीड़न के आरोपी पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का करीबी होने के कारण पहलवानों ने उनका विरोध किया था जिसके बाद खेल मंत्रालय ने संजय को अध्यक्ष पद से निलंबित कर दिया था ।सिंह ने कहा कि वह पहलवान विनेश फोगट और साक्षी मलिक से मिलेंगे और ये पक्का करेंगे कि उनकी शिकायतों का निवारण अदालतों में हो। संजय ने कहा कि अभी 2 ओलिम्पिक क्वालीफाइंग इवेंट शेष हैं। ऐसे में पुणे नेशनल्स के विजेताओं को शिविर में बुलाकर हम परीक्षण करेंगे और उन्हें क्वालीफायर में भेजेंगे। साथ ही कहा कि मुझे विश्वास है कि 4 से 5 और पहलवान ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगे। अंतिम पंघाल पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं। संजय ने कहा कि खेल मंत्रालय ने जो तदर्थ समिति गठित की है वह नियमों के खिलाफ है। साथ ही कहा कि एक बार जब हमें जिम्मेदारी मिल जाएगी तो हम अच्छे पहलवानों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे जिससे ओलंपिक के लिए योग्य पहलवानों को अवसर मिलेगा।

ऋषभ पंत कार हादसे को यादकर बोले- 'एक्सीडेंट के बाद पैर खोने का डर था'

नई दिल्ली।भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि 13 महीने पहले हुए भयावह कार हादसे के बाद उन्हें अपना दाहिना पैर गंवाने का डर था।पंत दिसंबर 2022 में दिल्ली से अपने परिवार के पास अपने शहर रूड़की जा रहे थे जब उनकी कार सड़क के बीच डिवाइडर से टकरा गई।वह उस समय मीरपुर टेस्ट में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाकर बांग्लादेश से लौटे ही थे।उन्होंने स्टार स्पोटर्स की सीरिज 'बिलीव-टू डैथ एंड बैक' में कहा,'' अगर कोई नस क्षतिग्रस्त होती तो पैर गंवाने का डर था।मैं उस समय डर गया था।'' पंत ने कहा,'' मैंने एसयूवी ली थी लेकिन वह बाद में सेडान लग रही थी।'' हादसे को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उनके दाहिने घुटने की हड्डी खिसक गई थी और उन्हें काफी दर्द हो रहा था।उन्होंने कहा,'' वहां आसपास कोई था तो मैंने पूछा कि पैर को वापिस जगह पर लाने में मदद कर सकता है।उसने मेरे घुटने को सही जगह पर पहुंचाने में मदद की।'' दो व्यक्तियों रजत कुमार और निशु कुमार ने पंत को उनकी एसयूवी से निकाला जो बाद में आग की लपटों में थी। पंत ने कहा,'' जीवन में पहली बार ऐसा महसूस हुआ।हादसे के समय चोट के बारे में तो पता था लेकिन मैं खुशकिस्मत था क्योंकि यह और गंभीर हो सकती थी।'' पंत का शुरूआती इलाज देहरादून में हुआ जिसके बाद उन्हें हवाई जहाज से मुंबई ले जाया गया जहां बीसीसीआई ने विशेषज्ञ से उनका इलाज कराया। दाहिने घुटने के सभी तीनों लिगामेंट के आपरेशन के बाद पंत ने बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैबिलिटेशन शुरू किया। पंत मार्च में आईपीएल के जरिये वापसी कर सकते हैं।

तीसरे टेस्ट से भी बाहर हो सकते हैं विराट कोहली, बीसीसीआई ने वापसी पर साधी चुप्पी

मुम्बई (एजेंसी)। 2 फरवरी से भारत और इंग्लैंड के बीच विशाखापट्टनम में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस मुकाबले में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज नहीं दिखेंगे। दरअसल, 5 मैचों की सीरीज शुरू होने से पहले ही शुरू के दो टेस्ट मैचों से निजी कारणों का हवाला देते हुए अपना नाम वापस ले लिया था। लेकिन अब तीसरे टेस्ट में भी उनके खेलने की संभावनाएं कम ही हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने कोहली की वापसी पर चुप्पी साध रखी है।

भारत को उस समय बड़ा झटका लगा था जब कोहली पहले दो टेस्ट मैचों से हट गए थे। बीसीसीआई ने उस दौरान मीडिया से कहा कि कोहली कुछ खेलों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

लेकिन 2 फरवरी से होने वाले मुकाबले के साथ कोहली की उपलब्धता पर ध्यान देना बाकी है। स्टार बल्लेबाज कोहली की गैरमौजूदगी में हैदराबाद में दूसरी पारी में भारत के बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए थे। जिस कारण भारत को 28 रनों से हार झेलनी पड़ी।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, कोहली फिलहाल भारत में नहीं हैं। स्टार बल्लेबाज विदेश में हैं और ऐसे में कोहली की टीम इंडिया में वापसी पर सवाल खड़े हो गए हैं। ये देखना होगा कि भारत के पूर्व कप्तान कब टीम में वापसी करते हैं।

चोट के कारण मेस्सी का सामना नहीं कर सकेंगे रोनाल्डो

रियाद। क्रिस्टियानो रोनाल्डो चोट के कारण लियोनेल मेस्सी के खिलाफ बहुचर्चित नुमाइशी फुटबॉल मैच नहीं खेल सकेंगे। रोनाल्डो के क्लब अल नासर और मेस्सी के इंटर मियामी के बीच बृहस्पतिवार को यहां मुकाबला होना है। अल

नासर के कोच लुईस कास्ट्रो ने बुधवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'क्रिस्टियानो अभी पूरी तरह से फिट नहीं है। उम्मीद है कि वह अगले कुछ दिन में फिट हो जाएगा। वह इंटर मियामी के खिलाफ नहीं खेल सकेगा।' मेस्सी और रोनाल्डो की प्रतिद्वंद्विता स्पेन में बार्सीलोना और रीयाल मैड्रिड के लिए खेलने के दिनों से चली आ रही है। दोनों मिलकर पिछले 15 में से 13 बलोन डिओर पुरस्कार जीत चुके हैं।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में महाराष्ट्र पहले, तमिलनाडु दूसरे स्थान पर रहा

चेन्नई ।यहां हुए खेलों इंडिया यूथ गेम्स में महाराष्ट्र के खिलाड़ी छाये रहे हैं।उसके खिलाड़ियों ने सबसे अधिक पदक जीतकर अपने पास ओवरऑल चैंपियनशिप बरकरार रखी। महाराष्ट्र के तैराक ऋषभ दास ने पहले लड़कों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक जीता और फिर चार गुणा चार सौ मीटर फ्रीस्टाइल फाइनल में स्वर्ण पदक तालिका में नंबर एक स्थान हासिल किया।महाराष्ट्र ने कुल 57 स्वर्ण, 48 रजत और 53 कांस्य सहित कुल 156 पदकों के साथ पहला स्थान हासिल किया।मेजबान तमिलनाडु को अंतिम दिन तीन स्वर्ण मिले पर इसके बाद भी वह 38 स्वर्ण, 21 रजत और 39 कांस्य के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वहीं हरियाणा 35 स्वर्ण, 22 रजत और 46 कांस्य के साथ तीसरे स्थान पर रहा।दिल्ली की टीम चौथे जबकि राजस्थान की टीम पांचवे स्थान पर रही। प्रतियोगिता के अंतिम दिन तेलंगाना की वृत्ति अग्रवाल ने कुल पांच स्वर्ण पदक जीते।वृत्ति ने पांच स्वर्ण पदक जीतकर एक रिकॉर्ड बनाया।उन्होंने बुधवार को पहली बार 2-22.89 सेकंड समय निकालकार 200 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण पदक जीता, और दूसरे स्थान पर रहीं कर्नाटक की रितिका महेश बैंगलोर से लगभग चार सेकंड आगे रहीं।17 वर्षीय वृत्ति ने 2022 एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, फिर 17-59.51 सेकेंड के समय के साथ 1500 मीटर फ्रीस्टाइल का ताज हासिल करने के लिए वापस आईं।कर्नाटक की अदिति मुले (18-12.77 सेकेंड) और श्री चरणी तुमु (18-17.85 सेकेंड) ने क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीते।राजस्थान के युग चेलानी के पास भी पांच स्वर्ण पदक के साथ समापन करने का मौका था, लेकिन वह लड़कों की 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में कर्नाटक के एस. धनुष के बाद दूसरे स्थान पर रहे और चार स्वर्ण व एक रजत पदक जीते।

टेस्ट खेलने को लेकर उत्साहित हैं रजत पाटीदार

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। बल्लेबाज रजत पाटीदार इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए टीम में जगह मिलने से बेहद उत्साहित हैं। रजत ने कहा कि टेस्ट टीम में जगह मिलना सबसे सुखद अनुभव है। कहा कि वह टेस्ट खेलने के लिए उत्साहित हैं। केएल राहुल और रवींद्र जडेजा के चोटिल होने के कारण और विराट कोहली के निजी कारणों से इस मैच से बाहर होने के कारण ही पाटीदार को अवसर मिल पाया है। बीसीसीआई के एक वीडियो में पाटीदार ने कहा, जब भी कोई खिलाड़ी घायल हो जाता है, तो उसके लिए यह बेहद कठिन हो जाता है। मैंने स्वयं से कहा कि मैं अपना रिकवरी समय नहीं बदल सकता, अपने को वर्तमान में रखा और इसे स्वीकार किया। चोट से वापसी करते हुए अपना पहला टेस्ट कॉल-अप पाना मेरे लिए सबसे खुशी की बात है क्योंकि भारत के लिए टेस्ट खेलना मेरा सपना रहा था। इस बल्लेबाज ने कहा कि वह मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और नेट्स में कप्तान रोहित के साथ बल्लेबाजी पर सलाह हासिल करते रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरी बल्लेबाजी शैली आक्रामक है और मैं अपने घरेलू क्रिकेट के दिनों से ही इसी तरह खेलता आया हूं। यह मेरी आदत है, यह अच्छी तैयारी से ही हुई है। विरोधी खिलाड़ी कैसे गेंदबाजी करते हैं, वहीं रोहित जैसे खिलाड़ी कैसे इसका सामना करते हैं, मैं इसे अपने खेल में लाने का प्रया करता हूं।

इस बल्लेबाज ने माना कि उन्हें विराट को बल्लेबाजी करते हुए देखना पसंद है विशेष रुप से उनके फुटवर्क और बॉडी मूवमेंट का ध्यान रखना। पाटीदार ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की ओर से खेला है। वहीं विराट आरसीबी के कप्तान रहे हैं। पाटीदार ने कहा, मैं हमेशा नेट्स के पीछे से विराट की बल्लेबाजी को देखता आया हूं।

उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देखने में मुझे बहुत मजा आता है। मैं इसे अपने खेल में जोड़ने की कोशिश करता हूं। वहीं इंग्लैंड लायंस के खिलाफ जारी तीन अनौपचारिक टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच में पाटीदार ने 111 रन बनाए जबकि दूसरे में 151 बनाये थे।

दूसरे टेस्ट से पहले केएस भरत ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस, कहा- इंग्लैंड की आक्रामकता से निपटने के लिए योजना है

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के विकेटकीपर केएस भरत ने गुरुवार को कहा कि चोटों से प्रभावित भारतीय खेमे में कोई हड़बड़ाहट नहीं है और घरेलू टीम ने यहां दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड के आक्रामक रवैये से निपटने के लिए नयी योजना बनायी है जिसमें जरूरत पड़ने पर स्वीप शॉट लगाना भी शामिल है। भरत अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलेंगे।

उन्होंने कहा कि टीम ने श्रृंखला के शुरूआती मैच में रही अपनी खामियों पर काम किया है जिसमें इंग्लैंड ने शानदार वापसी करते हुए 28 रन से जीत दर्ज की थी। ओली पोप की अगुआई में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने स्वीप और रिवर्स स्वीप शॉट खेलकर भारतीय स्पिनरों का आराम से सामना किया। शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले टेस्ट में उनके इसी जज्बे से खेलना जारी रखने की उम्मीद है।

भरत ने मैच पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''वे काफी अच्छा खेले। श्रेय उनको दिया जाना चाहिए। ओली पोप ने वास्तव में काफी अच्छे शॉट खेले।'' भारतीय टीम अपने स्टार आल राउंडर रविंद्र जडेजा और शीर्ष बल्लेबाज केएल राहुल के बगैर खेलेगी जो चोटिल हो गये हैं। भरत ने कहा, ''हमारी टीम बैठकों में हमने उन चीजों के बारे में बात की जिन्हें हम बेहतर तरीके से कर सकते थे और हां, हमारी निश्चित रूप से कुछ योजनायें हैं। हम निश्चित रूप से देख रहे हैं कि उन्होंने पहले मैच में कैसा खेल दिखाया, कुछ रिवर्स शॉट खेले। इस पर हमने निश्चित रूप से काम किया है।''

भारतीय बल्लेबाज ज्यादा स्वीप शॉट्स नहीं खेलते हैं लेकिन दूसरे टेस्ट से पहले दो ट्रेनिंग सत्र में इन शॉट का अभ्यास करते हुए दिखायी दिये। क्या इसका मतलब है कि घरेलू टीम ज्यादा 'स्क्वायर ऑफ द विकेट' खेलेगी? उन्होंने कहा, ''भारत में हम इस तरह के ट्रैक पर काफी क्रिकेट खेले हैं। ऐसा नहीं है कि हम स्वीप, रिवर्स स्वीप या पेडल शॉट खेलना नहीं जानते, लेकिन टीम की हालात को देखते हुए उस विशेष दिन हम बल्लेबाज फैसला करते हैं।''

भरत ने कहा, ''हमारे लिए बहुत स्पष्ट है कि स्वतंत्रता से खेलें। हमने पहले मैच से पहले भी रिवर्स स्वीप शॉट का अभ्यास किया था। लेकिन क्रीज पर खेलते हुए यह बल्लेबाजी की व्यक्तिगत योजना होती है।'' हैदराबाद में दूसरी

पारी में इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन फिर टॉम हार्टले की खूबसूरत गेंद पर आउट हो गये। उन्होंने कहा, ''अगर टीम एक निश्चित तरीक से खेलने की मांग करती है तो हमें ऐसा ही करना होता है।

जय शाह का कार्यकाल एक साल और बढ़ा

मुंबई ।एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष जय शाह का कार्यकाल एक साल के लिए और बढ़ गया है। इस प्रकार वह लगातार तीसरे साल भी एसीसी अध्यक्ष के पद पर बने रहेंगे। एसीसी की आम बैठक में सर्वसम्मति से उनका कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाया गया है। वार्षिक आम बैठक में शाह के कार्यकाल विस्तार का प्रस्ताव श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने दूसरी बार किया और इसे एसीसी के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अपना समर्थन दिया।शाह जनवरी 2021 में एसीसी अध्यक्ष बने थे।शाह के नेतृत्व में एसीसी ने पूरे एशियाई क्षेत्र में क्रिकेट को बढ़ावा देने और विकसित करने में अहम भूमिका निभाई है।एसीसी ने साल 2022 में टी20 प्रारूप में और 2023 में एकदिवसीय प्रारूप में एशिया कप का सफल आयोजन किया। शम्मी सिल्वा ने कहा कि एसीसी को पूरे एशियाई क्षेत्र में क्रिकेट को बढ़ावा देने और विकसित करने और प्रगति की दिशा में ले जाने में जय शाह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

चुकंदर के गुण

चुकंदर स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक सब्जी है। इसमें कार्बोहाइड्रेट और कम मात्रा में प्रोटीन और वसा पाया जाता है। इसका जूस सब्जियों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। यह प्राकृतिक शुगर का सबसे अच्छा स्त्रोत है। इसमें सोडियम, पोटेशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, सल्फर, क्लोरीन, आयोडीन, आयरन, विटामिन बी1, बी2, और सी पाया जाता है। इसमें कैलोरी काफी कम होती है। इसका जूस कई बीमारियों के उपचार में लाभदायक होता है।

एनीमिया – चुकंदर का जूस मानव शरीर में खून बनाने की प्रक्त्रिया में उपयोगी होता है। आयरन की प्रचुरता के कारण यह लाल रक्त कोशिकाओं को सक्त्रिय और उनकी पुर्नरचना करता है। यह एनीमिया के उपचार में विशेष रूप से उपयोगी होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

पाचन – चुकंदर का जूस पीलिया, हेपेटाइटिस, मतली और उल्टी के उपचार में लाभप्रद होता है। चुकंदर के जूस में एक चम्मच नींबू का रस मिलाकर इन बीमारियों में तरल भोजन के रूप में दिया जा सकता है। गैसट्रीक अल्सर के उपचार के दौरान सुबह नाशते से पहले एक गिलास चुकंदर के जूस में एक चम्मच शहद को मिलाकर पीएं।

कब्ज और बवासीर – चुकंदर के नियमित सेवन से कब्ज से बचा जा सकता है। यह बवासीर के रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। रात में सोने से पहले एक गिलास या आधा गिलास जूस दवा के तौर पर पीना फायदेमंद होता है।

कई अन्य बीमारियों के लिए उपयोगी – चुकंदर का जूस अकार्बनिक कैल्शियम को संग्रहित करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। इस कारण यह उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारियों और पाव की नसों के लिए उपयोगी होता है। किडनी और पित्ताशय विकार में चुकंदर के रस में गाजर और खीरे के जूस को मिलाकर पीना उपयोगी होता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद – सफेद चुकंदर को पानी में उबाल कर छान लें। यह पानी फोड़े, जलन और मुहासों के लिए काफी उपयोगी होता है। खसरा और बुखार में भी त्वचा को साफ करने में इसका उपयोग किया जा सकता है।

रूसी – चुकंदर के काढ़े में थोड़ा सा सिरका मिलाकर सिर में लगाएं। या सिर पर चुकंदर के पानी में अदरक के टुकड़े को भिगोकर रात में मसाज करें। सुबह बालों को धो ले।

अपेंडिसाइटिस में सीटी स्कैन से सुरक्षित है अल्ट्रासाउंड

अपेंडिसाइटिस में सर्जरी की जरूरत का पता लगाने के लिए अल्ट्रासाउंड तकनीक ज्यादा कारगर और सुरक्षित है। एक सर्वे में पता चला है कि अल्ट्रासाउंड तकनीक सीटी स्कैन के मुकाबले अधिक सुरक्षित है। सीटी स्कैन में अलग-अलग कोणों से एक्सरे तस्वीरें ली जाती हैं, जबकि अल्ट्रासाउंड ध्वनि तरंगों पर निर्भर तकनीक है।

वाशिगटन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने 423 बच्चों पर अध्ययन करके पाया कि अपेंडिसाइटिस की आशका में ज्यादातर को सीटी स्कैन से गुजरना पड़ता है। माना जाता है कि किसी भी स्कैनिंग तकनीक से अपेंडिसाइटिस को न सिर्फ जल्दी पहचाना जा सकता है, बल्कि सर्जरी को भी टाला जा सकता है। लेकिन हाल में आए कुछ अध्ययन बताते हैं कि सीटी स्कैन के दौरान विकिरणों के संपर्क में आने से बच्चों में कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

शोधकर्ता जैकलीन सैटो के मुताबिक, अपेंडिसाइटिस का पता लगाना मुश्किल होता है, क्योंकि इसके लक्षण वायरल संक्त्रमण और दूसरी समस्याओं से मिलते-जुलते होते हैं। अगर सही समय पर इसका इलाज नहीं किया जाए, तो यह स्वास्थ्य लाभ को धीमा और पेचीदा बना सकता है। बड़ी आत की शुरुआत में एक छोटी थैली होती है, जिसे अपेंडिक्स कहते हैं। अपेंडिक्स में सूजन, रुकावट या संक्त्रमण की स्थिति को अपेंडिसाइटिस कहा जाता है। इसमें तेज पेट दर्द, उल्टी और बुखार जैसी शिकायतें होती हैं।

देख सकेंगे नेत्रहीन

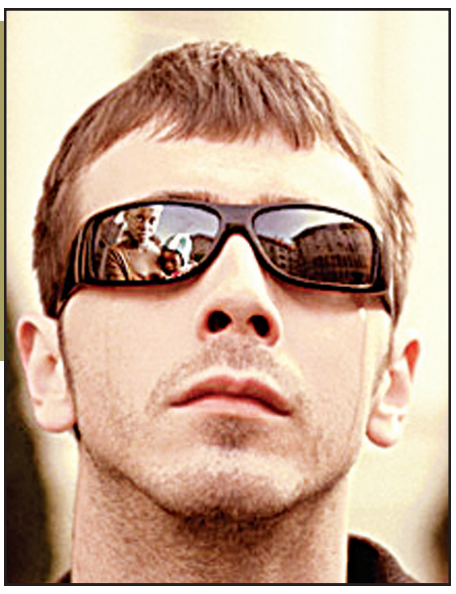

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा इंजेक्शन विकसित करने का दावा किया है जिसके जरिये लाइट-सेंसिंग सेल्स इंजेक्ट करके आखों की रोशनी को दोबारा प्राप्त किया जा सकता है।

यदि सबकुछ सही चलता रहा तो दुनिया देखने की ख्वाहिश रखने वाले नेत्रहीनों के लिए यह नया इंजेक्शन किसी वरदान से कम नहीं साबित होगा। जी हा, यह इंजेक्शन उन्हें अब दुनिया देखने की शक्ति प्रदान करेगा। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा इंजेक्शन विकसित करने का दावा किया है जिसके जरिये लाइट-सेंसिंग सेल्स इंजेक्ट करके आखों की रोशनी को दोबारा प्राप्त किया जा सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि पूरी तरह दृष्टिहीन चूहे पर इसका प्रयोग सफल रहा है। अभी मनुष्यों पर इसे आजमाना बाकी है। मालूम हो कि रेटिनीटिस पिग्मेंटोसा के मरीजों में रेटिना की लाइट-सेंसिंग सेल्स धीरे-धीरे खत्म हो जाती हैं। अंत में व्यक्ति की आखों की रोशनी बिल्कुल चली जाती है और वह दृष्टिहीन हो जाता है। शोधकर्ताओं के अनुसार यह इंजेक्शन दो सप्ताह बाद अपना असर दिखाना शुरू कर देता है। इंजेक्शन देने के दो हफ्ते बाद से खत्म हो रही रेटिना की कोशिकाएं फिर से बननी शुरू हो जाती हैं। शोध से जुड़े प्रोफेसर रॉबर्ट मैकलैरेन के मुताबिक यह पहला मौका है जबकि पूरी तरह से नेत्रहीन चूहे पर इस तरह का प्रयोग किया गया है। इससे पूर्व आशिक दृष्टिहीन चूहों पर ही प्रयोग किए गए। यह अध्ययन प्रोसीडिंग ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस जनरल में प्रकाशित किया गया।

एलोवेरा बनेगा किडनी का सुरक्षा कवच

वनस्पतियों में छिपे औषधीय गुणधर्म हजारों साल से जीवन को संजीवनी देते रहे हैं, लेकिन उनके अनुसंधान पर परिणामी काम नहीं हुआ। अंग्रेजी दवाओं की भेंट चढ़ती जिंदगी में फिर से जान फूंकने के लिए चिकित्सा जगत आयुर्वेद की शरण में खड़ा हैं। लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज के फार्मोकोलोजी विभाग में गिलोय के बाद अब एलोवेरा पर चल रहे एक शोध में इसे किडनी रोगों पर अत्यंत लाभकारी पाया गया है।

चरक संहिता में भी एलोवेरा को औषधीय गुणों से लवरेज बताया गया है, किंतु वैज्ञानिक शोध पर आधारित पुष्टि की कमी रही। फार्मोकोलोजी विभाग की एमडी की छात्रा डॉ. शालिनी वीरानी ने चूहों पर किए गए एक शोध में पाया कि एलोवेरा के सेवन से एक माह में उनकी किडनी पूरी तरह ठीक हो गई।

इसके लिए चूहों को दो ग्रुप में बाटा गया। पहले ग्रुप में स्वस्थ चूहे, जबकि दूसरे में किडनी के रोगी चूहे रखे गए। स्वस्थ चूहों को लगातार एलोवेरा का डोज दिया गया, जिसके बाद उनमें किडनी रोग का संक्त्रमण नहीं लगा। जिन चूहों की किडनी फेल की गई थी, उन्हें एक माह तक एलोवेरा की खुराक ने पूरी तरह ठीक कर दिया। एलोवेरा की खुराक से चूहों के लीवर की क्षमता भी बढ़ी मिली।

महंगी डायलिसिस से मिलेगी निजात

किडनी रोगियों की संख्या बढ़ने से चिकित्सा के समक्ष एक कठिन चुनौती है। एलोपैथिक में किडनी रोगियों को डायलिसिस पर रखा जाता है, जो महंगा होने के साथ-साथ साइड इफेक्ट भी करता है। एलोवेरा से किडनी रोगों में चमत्कारिक सुधार के संकेत से अब विभाग ट्रायल का दूसरा चरण शुरू करेगा। बाद में इसके पेटेंट के लिए आवेदन किया जाएगा।

व्यायाम को बढ़ावा देता है प्रोटीन

नियमित व्यायाम करने का प्रयास तो कई लोग करते हैं लेकिन ऐसे बहुत कम लोग होते हैं जो इस संकल्प पर टिकें। अब शोधकर्ताओंको ऐसे प्रोटीन के बारे में पता चला है कि जो न केवल व्यायाम को बढ़ावा देता है, बल्कि लोगों के काम करने के स्तर को बरकरार रखता है।

शोधकर्ताओं को व्यायाम के दौरान प्रमुख रोल अदा करने वाला प्रोटीन सीबी1 केनाबिनॉयड मिला है। व्यायाम करने के दौरान मजा नहीं आता। यही वजह है कि लोग इससे दूर भागते हैं। ऐसे में साफ होता है कि दिमाग का व्यायाम में अहम हिस्सा है।

मुख्य शोधकर्ता ने बताया कि दिमाग व्यायाम के लिए लोगों को मानसिक रूप से तैयार करता है। सीबी1 दिमाग को व्यायाम के लिए तैयार करता है। बायोलॉजिकल साइकिआट्री जर्नल में छपे लेख में कहा गया है कि जिन व्यक्तियों में यह प्रोटीन ज्यादा होता है, वे व्यायाम की उबाऊ प्रक्रिया के दौरान भी उत्साहित रहते हैं।

आध्यात्म से बढ़ जाता है मानसिक बीमारी का खतरा

आध्यात्मिक व्यक्तियों के मानसिक तौर पर बीमार होने की संभावना कहीं ज्यादा होती है। हालिया हुए एक अध्ययन के मुताबिक आध्यात्म व्यक्ति को मानसिक बीमारियों के प्रति ज्यादा संवेदनशील बना देता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि खुद को धार्मिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक मानने वाले मानसिक तौर पर ज्यादा बीमार होते हैं। इसके साथ ही उनमें खाने-पीने में अनियमितता, चिंता, न्यूरोसिस और कई तरह के विकार घर कर जाते हैं। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे लोग आम लोगों की तुलना में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी दवाइयों का प्रयोग भी कहीं अधिक करते हैं।

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के प्रोफेसर माइकल किंग के मुताबिक जो लोग जिंदगी को आध्यात्म के नजरिए से देखते हैं वे मानसिक तौर पर ज्यादा परेशान रहते हैं, अपेक्षाकृत उन लोगों के जो न तो धार्मिक होते हैं और न ही आध्यात्मिक। यह अध्ययन लंदन की करीब 7403 महिलाओं और पुरुषों से आध्यात्म और धर्म के संदर्भ में पूछे गए प्रश्नों पर आधारित है। पाया गया कि आध्यात्मिक लोगों में अन्य की तुलना में मानसिक बीमारिया होने की आशंका 50 फीसद अधिक होती है। ऐसे लोगों के दवाइयों के आदी हो जाने की आशंका 77 फीसद अधिक होती है। हालांकि शोधकर्ताओं का कहना है कि इस अध्ययन के संदर्भ में व्यापक परीक्षण करने की जरूरत है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मस्क की इस कंपनी ने कर दिया कमाल...व्यक्ति के ब्रेन पर चिप

न्यूयॉर्क । दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क के न्यूरोलिंक ने एक बड़ा कारनामा करके दिखाया है। न्यूरोलिंक ने मानव सिर पर चिप का इंप्लांट कर दिया है। इसकी जानकारी खुद मस्क ने दी है, उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति के ब्रेन पर चिप लगाया है, उसकी हालत में सुधार हो रहा है। इस प्रोडक्ट का नाम टेलीपैथ है। यह उन लोगों के लिए वरदान साबित होगी है, जिनके हाथ पैर काम नहीं करते हैं। दरअसल, बीते लंबे समय से इस पर काम जारी है और सितंबर में कंपनी को यूएस फूड और ड्रग्स विभाग की तरफ से टेस्टिंग को मंजूरी मिली थी। मस्क ने एक्स प्लेटफॉर्म पर बताया कि न्यूरोलिंक की तरफ से पहली बार इंसान के ब्रेन पर चिप इंप्लांट किया और अब उसकी हालत में सुधार हो रहा है। साथ ही मस्क ने न्यूरोलिंक के प्रोडक्ट का नाम और उससे होने वाले फायदों के बारे में बताया है। न्यूरोलिंक के प्रोडक्ट को टेलीपैथ नाम दिया है। इस लेकर मस्क ने बताया कि यह उन लोगों के लिए बड़ा ही उपयोगी साबित होगा, जिनके हाथ पैर नहीं है या फिर वह काम नहीं करते हैं। इसकी मदद से यूजर्स दिमाग से ही कंप्यूटर और स्मार्टफोन को कंट्रोल कर सकते है। उन्होंने बताया कि सोचिए अगर माने-माने वैज्ञानिक स्टीफ़न विलियम हॉकिंग सिर्फ इसकी मदद से कम्युनिकेट कर पाते है। अभी इस ट्रायल का मकसद वायरलेस ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस पर काम करना है। इसमें सर्जिकल रोबोट और इंप्लांट की सेफ्टी पर ध्यान दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्टीफ़न विलियम हॉकिंग ने इसके लिए कुछ वालंटियर्स का सलेक्शन किया था और उन पर इसका ट्रायल शुरू किया। पहले रिपोर्ट्स में सामने आ चुका है कि कंपनी की लक्ष्य 2030 तक 22 हजार लोगों पर ब्रेन चिप को इंप्लांट करने का था। साल 2016 में न्यूरोलिंक कंपनी की शुरुआत हुई थी। हालांकि कई बार न्यूरोलिंक पर आरोप लग चुके हैं कि वह नियमों को तोड़ रही है।

बलूचिस्तान प्रांत में सेना ने 21 आतंकवादियों को मार गिराया

कराची। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने आतंकी हमलों के बाद अशांत बलूचिस्तान प्रांत में कार्रवाई कर एक प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े करीब 21 आतंकवादियों को मार गिराया है। गुरुवार को इसकी जानकारी दी। आतंकवादियों ने तीन हमलों को अंजाम दिया, जिसमें एक उच्च सुरक्षा वाली जेल को भी निशाना बनाया गया था। सेना के अधिकारी ने कहा, माच और कोलपुर में अभियान के दौरान अब तक 21 आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) के अनुसार अभियान के दौरान चार सुरक्षाकर्मी और दो नागरिक भी मारे गए हैं।

नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी को बंद करने का आव्हान किया

येरुशलम। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के हमले में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के कुछ कर्मचारियों की संलिप्तता के आरोपों के बीच एजेंसी को बंद करने का आह्वान किया है। श्री नेतन्याहू ने आठ देशों के संयुक्त राष्ट्र के राजदूतों से कहा, समय आ गया है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय और स्वयं संयुक्त राष्ट्र को समझ लेना चाहिए कि यूएनआरडब्ल्यूए के मिशन को समाप्त किया जाना चाहिए। हमास के हमले में यूएनआरडब्ल्यूए के कई कार्यकर्ताओं के शामिल होने संबंधी इजरायल के आरोप के बाद अमेरिका और कम से कम 10 अन्य देशों ने एजेंसी दी जाने वाली फंडिंग निलंबित कर दी। हमले में इजरायल में लगभग 1,200 लोग मारे गए। यूएनआरडब्ल्यूए फिलिस्तीनी गाजा पट्टी में लगभग 13,000 लोगों को रोजगार देता है। इन लोगों को हमास हमले के जवाब में इजरायल के हवाई हमलों के बाद से मानवीय संकट का सामना करना पड़ा है। गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि हमलों में कम से कम 26,900 फिलिस्तीनी मारे गए और 69,950 अन्य घायल हो गए।

संसद को बिना सूचित किए घाना चले गए पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद

माले। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ''सक्रिय राजनीति'' से विराम की घोषणा के बाद संसद को सूचित किए बिना अस्थायी रूप से रहने के लिए घाना चले गए हैं। विवादित शख्सियत माने जाने वाले नशीद ने कहा कि वह 'क्लाइमेट वल्नरेबल फोरम' (सीवीएफ) के महासचिव के रूप में काम शुरू करने के लिए घाना की राजधानी अक्करा पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा, ''घाना कुछ वर्षों के लिए मेरा घर होगा। हमें आवश्यक निवेश लाने की उम्मीद है ताकि सीवीएफ सदस्य स्वच्छ जलवायु वृद्धि और समृद्धि की ओर बढ़ सकें। नशीद (56) वर्ष 2008 से 2012 तक मालदीव के पहले राष्ट्रपति रहे। वहीं, संसद ने बताया कि नशीद ने अस्थायी रूप से घाना में रहने के बारे में उस सूचित नहीं किया।

पुजारी नहीं होने से ब्रिटेन के 50 मंदिरों में पूजा पाठ बंद

– ब्रिटेन सरकार नहीं दे रही, पुजारियों को वीजा

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन में लगभग 500 मंदिर हैं। 50 मंदिरों में पिछले कई महीनो से पुजारी नहीं है। इसके कारण मंदिरों में पूजा पाठ नहीं हो पा रहा है। मंदिरों को बंद कर दिया गया है। यदि यही हालत रही, तो जल्द ही सैकड़ो और भी मंदिर पूजा पाठ के अभाव में ब्रिटेन में बंद हो सकते हैं। ब्रिटेन में 20 लाख भारतीय रहते हैं। हर मंदिर में पुजारी के बिना पूजा पाठ संभव नहीं है। यहां भारतीय मूल के प्रवासी, गृह प्रवेश, मुंडन और विवाह समारोह मैं मंत्र उच्चारण के लिए इन्हीं पुजारियों के भरोसे रहते हैं। ब्रिटेन सरकार,2 साल के लिए पुजारियों को वीजा देती है। वीजा खत्म होने के 6 माह पहले वीजा के लिए नए पुजारी को आवेदन करना होता है। पुजारी को वीजा देने में कई किस्म की परेशानी आती हैं। भाषा के कारण पुजारी मिल नहीं पाते हैं। ब्रिटेन सरकार, वीजा के लिएभारतीय मुद्रा में पुजारी से 6 लाख रुपए की फीस वसूलती है। ब्रिटेन में 500 से ज्यादा मंदिर हैं। लेकिन पुजारी नहीं होने के कारण अब मंदिरों में पूजा पाठ बंद हो रही है। यदि यही स्थिति रही, तो आगे और भी तकलीफ होगी। यह स्थिति जब है, जब भारतीय मूल के प्रधानमंत्री ब्रिटेन में हैं।

पाकिस्तान में नहीं थम रही खूनी हिंसा,इमरान की पार्टी के उम्मीदवार की गोली मारकर हत्या,3 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव हैं। इससे पहले यहां खूनी हिंसा शुरु हुई और थमने का नाम नहीं ले रही है। हर दिन कहीं पथराव तो कही खुलेआम गोलियां चलाई जा रहीं हैं,जिसके कारण अब तक करीब एक दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है। बीते रोज पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के उम्मीदवार की गोली मारकर हत्या कर दी। इस दौरान तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि अगले हफ्ते पाकिस्तान में होने वाले चुनाव में नेशनल असेंबली के एक उम्मीदवार की बुधवार को अफगान सीमा से लगे आदिवासी जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस अधिकारी रशीद खान ने कहा कि 8 फरवरी के चुनाव में एक स्वतंत्र उम्मीदवार रेहान ज़ेब खान, जिन्होंने पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा समर्थित होने का दावा किया था, और चार सहयोगियों को बाजूर जिले में गोली मार दी गई थी। उन्होंने कहा कि रेहान ज़ेब खान की एक स्थानीय अस्पताल में मौत हो गई और उनके सहयोगियों की हालत गंभीर है। वहीं पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने बुधवार को कहा कि इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा को भ्रष्टाचार के एक मामले में 14 साल की जेल हुई है। तकनीकी आधार पर इमरान खान की पार्टी से उसका पारंपरिक चुनाव चिह्न, क्रिकेट का बल्ला छीन लिया गया है और उसके उम्मीदवार निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। पीटीआई के प्रांतीय अध्यक्ष आतिफ खान ने कहा कि रेहान ज़ेब खान पार्टी के सदस्य थे लेकिन पीटीआई के पास आधिकारिक समर्थन वाला निर्वाचन क्षेत्र में एक और उम्मीदवार था। मतपत्र पर पार्टी चिन्ह के अभाव में, कई स्वतंत्र उम्मीदवार इमरान खान की पार्टी का समर्थन होने का दावा कर रहे हैं। पीटीआई ने कहा कि उस पर सैन्य समर्थित कार्रवाई की गई है, जिसमें सैकड़ों समर्थकों, पार्टी सदस्यों और प्रमुख सहयोगियों की गिरफ्तारी शामिल है। दशकों तक पाकिस्तान की राजनीति पर प्रभाव रखने वाली सेना ने आरोपों से इनकार किया है। हाल के दिनों में उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के जनजातीय क्षेत्रों में पीटीआई से जुड़े किसी उम्मीदवार की यह दूसरी हत्या थी। किसी ने उस क्षेत्र में बुधवार के हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

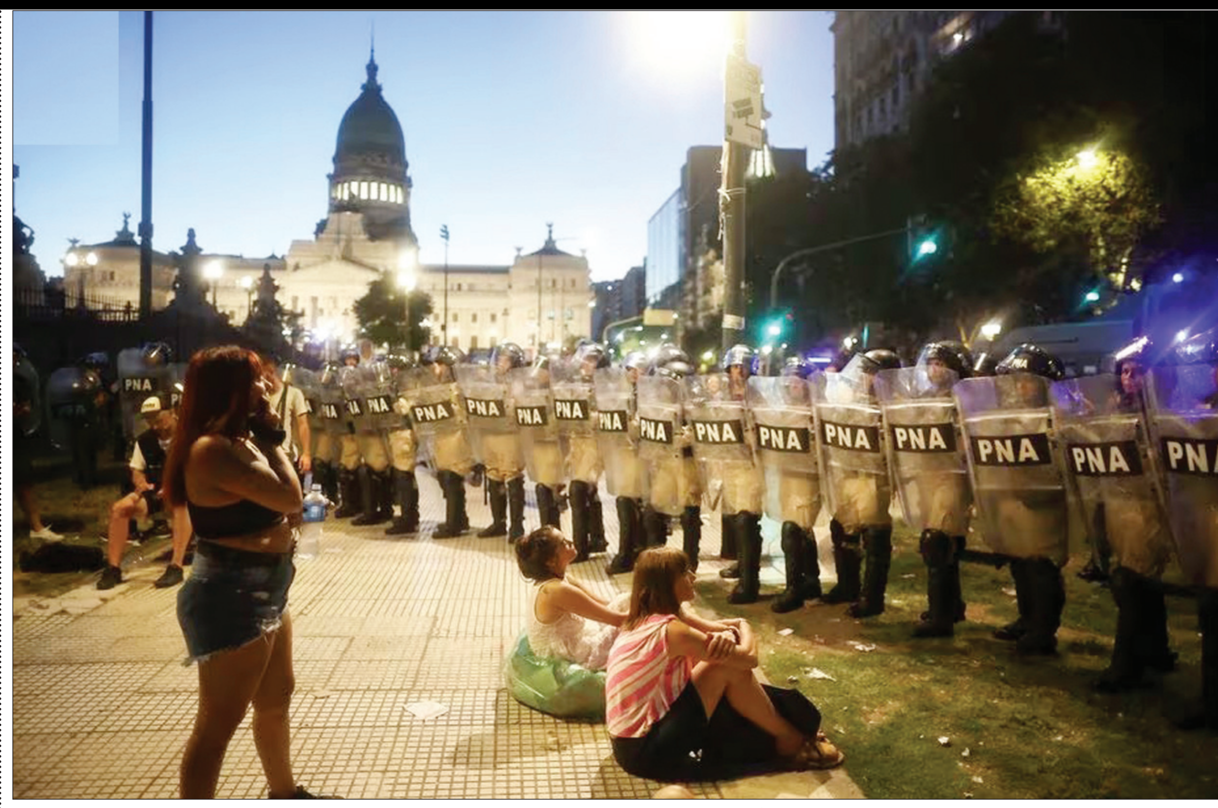

क्वाललंपुर में सुल्तान ऑफ जोहर इब्राहित इस्कांदार मलेशिया के 17 वें किंग की शपथ लेते हुए।

ब्रिटेन के पूर्व जासूस के खिलाफ ट्रंप की याचिका को कोर्ट ने किया खारिज, झूठे दावे करने का लगाया था आरोप

वाशिंगटन। लंदन में एक न्यायाधीश ने डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा दायर एक मुकदमे को खारिज कर दिया। ट्रम्प ने आरोप लगाया गया था कि एक पूर्व ब्रिटिश एजेंट ने चौंकाने वाले और निंदनीय दावे किए थे जो झूठे थे और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया गया था। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, न्यायाधीश करेन स्टेन ने गुरुवार को कहा कि ट्रम्प ने ऑर्बिस बिजनेस इंटेलिजेंस के खिलाफ जो कार्रवाई की है, उस पर मुकदमा नहीं चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दावे को सुनवाई के लिए आगे बढ़ाने की अनुमति देने के लिए कोई बाध्यकारी कारण नहीं हैं। क्रिस्टोफर स्टील ने 2016 में एक डोजियर तैयार करने के बाद व्यवसाय की स्थापना की, जिसमें निराधार दावे शामिल थे, जिसने ट्रम्प के उद्घाटन से कुछ समय पहले राजनीतिक हंगामा खड़ा कर दिया था। ट्रम्प ने स्टील द्वारा स्थापित व्यवसाय के खिलाफ मुकदमा दायर किया है जो कभी ब्रिटेन की गुप्त खुफिया सेवा के लिए रूस डेस्क का संचालन करता था, जिसे एमआई 6 के रूप में भी जाना जाता है, ऑर्बिस बिजनेस इंटेलिजेंस कथित तौर पर ब्रिटिश डेटा सुरक्षा नियमों को तोड़ने के लिए ट्रम्प पर हर्जाने के लिए मुकदमा कर रहा है। यह ऐसे समय में आया है जब अटलांटिक के दूसरी ओर कानूनी मुद्दों के बावजूद ट्रम्प 2024 में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं।

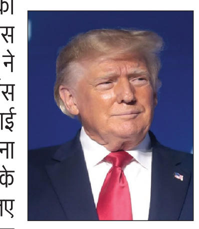

इरान ने अमेरिका को धमकाया कहा- हिम्मत है तो हमला करें हम मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार

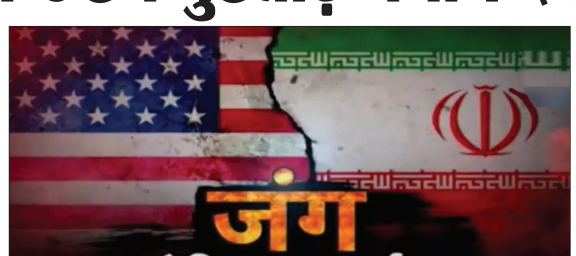

तेहरान, (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा तनाव कम होता नजर नहीं आ रहा है। ईरान तो खुले आम अमेरिका को चुनौती देते हुए कह रहा है कि हिम्मत है तो हमला करके देखे, हम भी मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार हैं। दोनों देशों के बीच उसी वक्त से तनाव बढ़ गया था जब जॉर्डन हमले में तीन अमेरिकी सैनिको की मौत हो गई थी। जिस पर अमेरिका ने सीधे तौर पर ईरान को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा था इसका बदला लिया जाएगा। इस पर ईरान ने अमेरिका को धमकी देते हुए कहा कि वह इस्लामिक गणराज्य पर किसी भी अमेरिकी हमले का निर्णायक जवाब देने को तैयार है। ईरान-अमेरिका में तनाव के बाद अब चिंता बनी हुई है कि किसी भी हमले से जंग तेज हो सकती है। यह क्षेत्र पहले से ही गाजा पट्टी में हमास पर इजराइल के चल रहे युद्ध और लाल सागर में यमन के हूती विद्रोहियों के हमलों से परेशान है। ईरानी चेतावनियां सबसे पहले न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरावानी की ओर से आईं। सरकारी एजेंसी के अनुसार, उन्होंने देर रात ईरानी पत्रकारों को एक ब्रीफिंग दी। इरावानी ने इस बात से भी इनकार किया कि ईरान और अमेरिका ने पिछले कुछ दिनों में मध्यस्थों के माध्यम से या सीधे किसी भी संदेश का आदान-प्रदान किया था.लेकिन ईरान की सरकार ने जॉर्डन में बेस पर हमले के लिए जवाबी कार्रवाई की अमेरिकी धमकियों पर ध्यान दिया है। रिवोल्यूशनरी गार्ड के कमांडर जनरल होसैन सलामी ने बुधवार को एक कार्यक्रम में कहा, हम कोई भी धमकी बिना जवाब दिये नहीं छोड़ते। खबरों के अनुसार, उन्होंने कहा कि हमें युद्ध का कोई डर नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि जलमार्ग में अमेरिकी नौसेना के विध्वंसक ने मंगलवार देर रात हूती विद्रोहियों द्वारा लॉन्च की गई एक एंटी-शिप क्रूज़ मिसाइल को मार गिराया। यह हमला प्रमुख समुद्री व्यापार मार्ग पर गश्त कर रहे अमेरिकी बलों को निशाना बनाकर किया गया था।

सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर के पास हैं प्राइवेट आर्मी, बोइंग, जेट और 300 लग्जरी कार

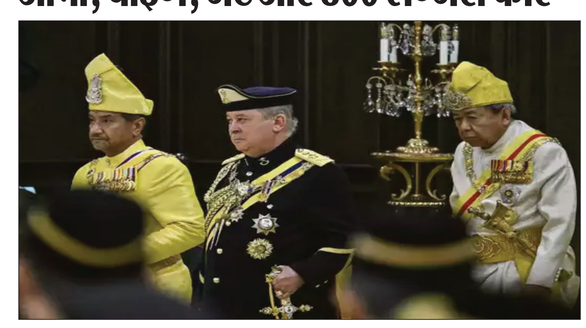

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। प्राइवेट आर्मी, बोइंग, जेट और 300 लग्जरी कार के मालिक सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर को मलेशिया का नया राजा चुना गया। जानकारी के अनुसार इब्राहिम इस्कंदर मलेशिया के जोहोर राज्य के सुल्तान हैं। इस देश में नौ जातीय मलय राज्य शासक हैं, जिन्हें बारी-बारी से पांच साल के लिए राजा के रूप में कार्यभार संभालने की जिम्मेदारी दी जाती है। उन्होंने जोहोर राज्य के 17वें राजा के तौर पर शपथ लिया है। मलेशिया के संघीय राजधानी कुआलालंपुर में मौजूद राष्ट्रीय महल में उन्होंने राजा के पद की शपथ ली। सुल्ताह इब्राहिम इस्कंदर की संपत्ति को लेकर इस समय काफी चर्चा हो रही है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, राजा के पास 5.7 बिलियन डॉलर की संपत्ति है। उनकी संपत्ति में रियल एस्टेट, खनन से लेकर दूरसंचार और पाम तेल तक के कई उद्योग शामिल हैं। उनके पास 300 से अधिक लग्जरी कारें हैं, जिसमें एडोल्फ हिटलर द्वारा कथित तौर पर उपहार में दी गई एक कार भी शामिल है। वहीं, उनके पास नीले रंग की बोइंग 737 सहित प्राइवेट जेट भी है।

इतना ही नहीं, इस शाही परिवार के पास एक प्राइवेट आर्मी भी है। जोहोर में मल्टी मिलियन-डॉलर फॉरेस्ट सिटी विकास परियोजना में उनकी बड़ी हिस्सेदारी भी शा?मिल है। वह सिंगापुर के साथ एक हाई-स्पीड रेल लिंक परियोजना में उनकी भागीदारी है। इसके अलावा यू मोबाइल में 24 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उनके पास सिंगापुर में 4 अरब डॉलर की जमीन भी है। उनकी पत्नी की नाम जरीथ सोफिया है। वो भी शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं। वो एक ऑक्सफोर्ड स्नातक हैं और अच्छी लेखिका भी हैं। मलेशिया के राजा मुस्लिम-बहुल देश में इस्लाम के संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं। राजा को एक प्रधानमंत्री नियुक्त करने की अनुमति है।

इजराइल ने गाजा पर फिर किया हमला,चंद घंटों में ही डेढ सौ से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा। लंबे समय से चल रही इजराइल और हमास के बीच जंग में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है। मौत का आंकड़ा देखें तो दोनों देशों से करीब 26 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। ये वो आंकड़ा है जिसका रिकॉर्ड उपलब्ध है। जो लोग लापता हैं या जिनका शव नहीं मिला है,उनका वास्तविक आंकड़ा किसी के पास नहीं है। बीती रात इजराइल ने एक बार फिर बड़ा हमला किया है जिसके कारण कई लोगों की मौत हो गई ।गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इजराइल ने गाजा में एक बार फिर हमला किया है. इस हमले में 24 घंटे के अंदर लगभग 150 लोगों की जान चली गई है. वहीं 313 लोग घायल हैं,मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली सेना ने बुधवार को बताया था कि उन्होंने उत्तरी गाजा में 15 से ज्यादा हमास के आतंकियों को मारा है। साथ ही उन्होंने एक स्कूल में बने आतंकी ठिकाने को भी निशाना बनाया। भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने जारी संघर्ष को यहूदी लोगों के लिए नरसंहार (होलोकॉस्ट) की घटना के बाद सबसे खराब बताया। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान नाजी जर्मनी और इसके सहयोगियों के हाथों लाखों की संख्या में यहूदी मारे गए थे, जिसे होलोकॉस्ट के नाम से जाना जाता है। गिलोन ने कहा कि गाजा में अब भी 136 अपहृत लोग हैं जो अमानवीय परिस्थितियों में रह रहे हैं। वहीं इजराइली राजदूत ने गाजा में जारी संघर्ष पर भारत सरकार के रुख की सराहना की। हालांकि इजराइल हमास के बीच जंग थमने के आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे। क्योंकि पीएम नेतन्याहू ने हमास की दो प्रमुख मांगों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि इजराइल गाजा पट्टी से पीछे नहीं हटेगा या हजारों आतंकवादियों को रिहा नहीं करेगा। संघर्ष विराम पर बातचीत में ये दोनों बातें हमास की प्रमुख शर्त में रही हैं। वहीं हाल ही में जारी अतंरराष्ट्रीय कोर्ट के फैसले की नेतन्याहू ने अलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि हम अपने देश और लोगों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे लोगों की सुरक्षा के लिए जो भी कदम होंगे हम उठाएंगे। उन्होंने कहा था कि हर देश की तरह इजराइल को भी अपनी अखंडता की रक्षा करने का अधिकार है।

मालदीप के राष्ट्रपति की मुश्किलें बढ़ीं कभी भी गिर सकती है सरकार

माले (एजेंसी)। भारत के खिलाफ अनाश शनाप टिप्पणी करने वाले मालदीव के राष्ट्रपति की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रहीं हैं। उनके खिलाफ पूरे देश में माहौल बन गया है। विरोधी नेता और उन्ही की सरकार में शामिल कई नेता राष्ट्रपति मुइज्जू का विरोध कर रहे हैं। बता दें कि जैसे ही भारत के खिलाफ टिप्पणी आईं थी तभी चंद घंटों बाद ही मालदीव के पर्यटन को भारी नुकसान होना शुरु हो गया था। इसके बाद मुइज्जू सरकार पर इतना दवाब बना कि उन्हे अपने तीन मंत्रियों पर सख्त कार्रवाई करना पड़ी। अब हालात ये हैं कि कभी भी मुइज्जू सरकार की छुट्टी हो सकती है।

देश के हालात ऐसे हो चुके हैं कि उनकी सरकार कभी भी गिर सकती है। विपक्ष ने इस बात के संकेत दिए हैं कि वो सही वक्त के इंतजार में है। समय आने पर मोहम्मद मुइज्जू सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा। दरअसल, मोहम्मद मुइज्जू सरकार से मतभेदों की वजह से रविवार को सत्ता पक्ष और विपक्षी सांसदों के बीच संसद में झड़प हुई थी। संसद में हुई झड़प के बाद से विपक्ष लगातार मोहम्मद मुइज्जू सरकार पर हमलावर है। मुख्य विपक्षी पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) मोहम्मद मुइज्जू के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव की योजना पर काम कर रही है। ये योजना संसद में हंगामे के बाद बनाई गई है। खबर है कि मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी ने डेमोक्रेट के साथ मिलकर प्रस्ताव के लिए जरूरी समर्थन हासिल कर लिया है। इसके बाद अब विपक्ष की एकजुटता को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि मोहम्मद मुइज्जू सरकार के लिए इस संकट से पार पाना आसान नहीं होगा।

मालदीव के विपक्षी नेता अब राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी मांगने की सलाह दी है। मालदीव जम्हूरी पार्टी के नेता कासिम इब्राहिम ने मोहम्मद मुइज्जू से कहा है कि उन्हें भारत के साथ अपने रिश्ते अच्छे करने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति को अपनी चीन की यात्रा के बाद दिए गए

पाकिस्तान में भीषण आतंकी हमलों में अलकायदा का हाथ : यूएन

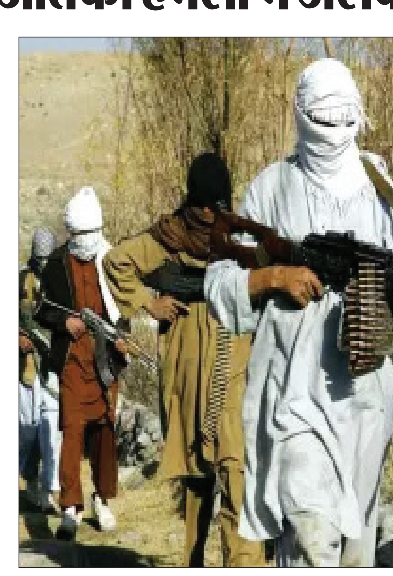

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा समेत कई राज्यों में भीषण आतंकी हमले के पीछे अलकायदा का हाथ बताया जा रहा है। हालांकि यह खुलासा और किसी ने नहीं, बल्कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने किया है। दरअसल पाकिस्तान में बीते कुछ सालों में इन हमलों में तेजी से इजाफा हुआ है और यहां तक कि पुलिस चौकियां भी अब सुरक्षित नहीं रही हैं। आतंकवाद से बचे रहने वाले पंजाब में भी हमलों में तेजी आई है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में बताया गया है कि इन हमलों के पीछे अलकायदा जैसे खूंखार आतंकी संगठन की फंडिंग और उसके आतंकी हैं, जिन्हें दशकों से पाकिस्तान ने ही पाला है और खाद पानी दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को मिली इस्लामिक स्टेट और अलकायदा, तालिबान मॉनिटरिंग टीम ने अपनी 33वीं रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी है।

यूएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में हमले करने वाले तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को अलकायदा की ओर से न सिर्फ हथियार मिल रहे हैं बल्कि ग्राउंड सपोर्ट भी दिया जा रहा है। अफगानिस्तान तालिबान भी इसमें सक्रिय रोल अदा कर रहा है। वही अफगान तालिबान जिसके अफगानिस्तान की सत्ता में काबिज होने पर पाकिस्तान ने जश्न मनाया था और इसे अमेरिका एवं भारत जैसे देशों की हार बताया था। अब यही अफगान तालिबान पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा समेत बलूचिस्तान और सिंध में आतंकी हमले करा रहा है। हालांकि पाकिस्तान लगातार इसे लेकर चिंता भी जताता रहा है। वहीं अफगानिस्तान से अब उसके रिश्ते भी इसके चलते खराब हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगान तालिबान भले ही कह रहा है कि वह अपनी धरती से आतंकी गतिविधियों को प्रोत्साहित नहीं करेगा, लेकिन अब तक इस पर रोक नहीं लगी है। यूएन की रिपोर्ट के अनुसार बड़ी संख्या में अफगान तालिबान के लड़ाके ही अब टीटीपी का हिस्सा बन गए हैं। इन लोगों को अफगान तालिबान से अच्छी खासी फंडिंग मिल रही है और उनके परिवार के लोगों को भी मदद मिल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक टीटीपी ने 2023 के मध्य में खैबर पख्तूनख्वा में अपना बड़ा बेस तैयार कर लिया है। यहां पर बड़ी संख्या में लड़ाकों को ट्रेनिंग भी दी जा रही है।

8 फरवरी से पहले पाकिस्तान से आएगी बड़ी खबर ! आर्मी चीफ मुनीर क्यों उगल रहे भारत के खिलाफ जहर

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान में एक बार फिर कैदी नं 804 की मुश्किल बढ़ गई है। चुनाव से ठीक एक हफ्ते पहले विशेष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 10 साल की सजा सुनाई। उनके करीबी और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को भी 10 साल की सजा मिली है। पहले इमरान खान को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए सरकार ने सारे हथकंडे अपनाए। अब जेल की सलाखों के पीछे 10 सालों तक डालने का इंतजाम कर दिया है। इमरान खान अगले पिछले अगस्त से ही रावलपिंडी की जेल में बंद हैं। इमरान खान पर 100 से ज्यादा केस हैं। वहीं 31 जनवरी को पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को तोशाखाना केस में 14 साल जेल की सजा सुनाई है। पाकिस्तान में चुनाव 8 फरवरी को होने हैं जिसके लिए प्रचार भी चरम पर है। सियासी जंग जारी है। वहीं इमरान खान को सजा सुनाए जाने के बाद एक बार फिर पाकिस्तान में तनाव बढ़ गया है। ये सवाल भी उठने लगे हैं कि क्या वाकई पाकिस्तान में 8 फरवरी को चुनाव हो पाएंगे।

एक तरफ पाकिस्तान में राजनीतिक बदले का दौर चर रहा है तो दूसरी तरफ मुल्क के टुकड़े-टुकड़े होने की कोशिशें जोर पकड़ने लगी हैं। बलूचिस्तान में विद्रोह की आग लग गई है और दावा किया जा रहा है कि बलूचिस्तान आर्मी ने माच शहर में कई जगहों को अपने कब्जे में ले लिया है और पाक सेना को ढेर कर दिया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भी पाकिस्तान के खिलाफ असंतोष है। गिलगित बाल्टिस्तान में तो महंगे आटे को लेकर जनता सड़कों पर है। टुकड़े-टुकड़े होने के कगार पर पहुंचने के बावजूद भी पाकिस्तान की सेना भारत के खिलाफ जहर उगलने से बाज नहीं आ रही है। पाक सेना ने कहा कि भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन किया जा रहा है। इसका असली चेहरा अब दुनिया के सामने आ गया है।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल सैयद असीम मुनीर की अध्यक्षता में मंच ने आम चुनाव 2024 का शांतिपूर्ण संचालन के लिए पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) की सहायता के लिए पाकिस्तानी सेना की तैनाती पर चर्चा की। पाकिस्तानी सेना ईसीपी के दिशानिर्देशों के तहत संवैधानिक आदेश के अनुसार सौंपे गए कर्तव्यों का पालन करेगी। किसी को भी राजनीतिक गतिविधि के नाम पर हिंसा में शामिल होने और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की सर्वोत्कृष्ट लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

सेना प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पवित्र और अनुल्लंघनीय है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सभी राज्यों के साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास करता है। हालाँकि, देश की संप्रभुता, राष्ट्रीय सम्मान और पाकिस्तानी लोगों की आकांक्षाओं पर कभी कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सम्मेलन में राज्य-प्रायोजित आतंकवाद को बढ़ावा देने और पाकिस्तानी नागरिकों को निशाना बनाने, राज्य-प्रायोजित आतंकवाद को बढ़ावा देने और गैर-न्यायिक हत्याओं के क्रूर भारतीय अभियान के बारे में जानकारी दी गई। इसमें इस बात पर सहमति हुई कि भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन और उसका असली चेहरा दुनिया के सामने लाया जाए। फोरम ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय पहले ही भारत के आपराधिक व्यवहार और दुनिया भर में हत्याओं के लिए राज्य तंत्र के उपयोग पर गंभीर चिंता दिखा चुका है।

ज्ञानवापी तहखाने में हिन्दू पक्ष को मिले पूजा के अधिकार के खिलाफ इंतजामियां कमेटी पहुंची हाईकोर्ट

प्रयागराज ।वाराणसी जिला जज द्वारा ज्ञानवापी तहखाने में हिंदू पक्ष को मिले पूजा के अधिकार के खिलाफ अंजुमने इंतजामियां कमेटी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।इंतजामिया कमेटी ने पुनरीक्षण याचिका दाखिल करते हुए जिला जज के 31 जनवरी के आदेश पर रोक लगाने की मांग की है।इंतजामियां कमेटी के अधिवक्ताओं ने केस पर तुरंत सुनवाई करने की मांग की। उन्होंने मामले को कार्यवाहक मुख्य न्यायमूर्ति के समक्ष प्रस्तुत करते हुए तुरंत सुनवाई का अनुरोध किया। लेकिन, कोर्ट ने तुरंत सुनवाई से इंकार कर दिया और मामले को प्रक्रिया के तहत सूचीबद्ध करने के लिए रजिस्ट्री विभाग से संपर्क करने को कहा है।उधर, इसी मामले में हिन्दू पक्ष वादी शैलेन्द्र कुमार पाठक की ओर से कैविएट दाखिल किया है। कैविएट में मांग की गई है कि अगर इंतजामिया कमेटी कोई याचिका दाखिल करती है तो मामले में कोई भी आदेश करने से पहले उनका पक्ष सुना जाय।

शिष्या से दुष्कर्म के मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद को एमपीएमएलए कोर्ट ने किया बरी

शाहजहांपुर ।उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में शिष्या से दुष्कर्म के 12 साल पुराने मुकदमे में पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री स्वामी चिन्मयानंद को एमपीएमएलए कोर्ट ने दोषमुक्त करार देते हुए बाइज्जत बरी कर दिया। बृहस्पतिवार को कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने बताया कि स्वामी चिन्मयानंद पर साजिशन झूठे आरोप लगाए गए थे। सुनवाई के दौरान सारे आरोप झूठे पाए गए हैं। गौरतलब है कि पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री और मुमुक्षु आश्रम के अधिष्ठाता चिन्मयानंद के खिलाफ उनकी शिष्या ने 2011 में शाहजहांपुर चौक कोतवाली में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि स्वामी चिन्मयानंद ने अपने कर्मचारियों की मदद से मुमुक्ष आश्रम में उसे बंधक बनाकर कई बार दुष्कर्म किया था।प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद वर्ष 2018 में मुकदमा वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की थी। इसकी जानकारी होने पर पीड़िता ने एतराज जताया। पीड़िता के आपत्ति जताने पर अदालत ने केस वापसी का प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया था।बाद में उनका केस एमपीएमएलए कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया था। अभियोजन पक्ष ने कुल छह गवाह पेश किए थे। बचाव पक्ष की ओर से स्वामी चिन्मयानंद के अधिवक्ता फिरोज हसन खां और अधिवक्ता मनेंद्र सिंह ने अपने तर्क किए और बहस की। चिन्मयानंद पर लगाए गए सारे आरोप झूठे पाए गए।इस मुकदमे में अभियोजन व बचाव पक्ष के वकीलों की दलीलें व बहस सुनने के बाद अदालत ने अपना निर्णय सुनाते हुए स्वामी चिन्मयानंद को दोषमुक्त करार दिया।

यूपी में गौहत्या के मामले में गिरफ्तार हो रहे हिंदू संगठन के नेता

मुरादाबाद ।उत्तर प्रदेश में हिंदू संगठन के लोग ही गाय कटवाने के आरोप में गिरफ्तार हो रहे हैं।पिछले साल आगरा में रामनवमी के दिन गाय कटवाकर दंगा भड़काने की साजिश रची गई थी।पुलिस ने मामले में हिंदू महासभा राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय जाट और जितेंद्र कुशवाह को गिरफ्तार किया था।बरेली में करणी सेना के जिलाध्यक्ष के गौहत्या कराने के मामले के खुलासे के बाद बजरंग दल के जिला प्रमुख गौहत्या में फंसे हैं। मुरादाबाद में बजरंग दल जिला प्रमुख सहित चार आरोपियों को गाय कटवाने के आरोप में गिरफ्तार किया है।पुलिस जांच में बजरंग दल के जिलाप्रमुख सुमित उर्फ मोनू विश्नोई गौकशी का मुख्य आरोपी निकला है। मुरादाबाद पुलिस ने गौवंश कटान में बजरंग दल के जिला प्रमुख सुमित उर्फ मोनू विश्नोई बजरंगी सहित रमन चौधरी, राजीव चौधरी और शहाबुद्दीन को पकड़ा है। इस गैंग ने 15 दिन में 2 जगह गौकशी की।बता दें कि बीती 16 जनवरी को कावड़ पथ पर गौवंश के अवशेष मिले थे।दूसरी घटना भी ग्राम चेतराम में 28 जनवरी में हुई जहां गौवंश पड़ा हुआ मिला था।पुलिस को दोनों ही घटनाओं की सूचना बजरंग दल कार्यकर्ता द्वारा दी गई थी। गाय काटकर डालने का मकसद शहाबुद्दीन के दुश्मन महमूद को जेल भिजवाने का था।इसलिए गौकशी वाली जगह महमूद का फोटो, नाम सहित एक कागज़ छोड़ा गया, जिससे पुलिस उस जेल भेज दे।

वाहन में नहीं पीयूसी प्रमाणपत्र, दिल्ली में देना होगा 10 हजार का जुर्माना

नई दिल्ली ।अगर आप के वाहन का पीयूसी प्रमाणपत्र नहीं है, तब अब बच नहीं पाएंगे, परिवहन विभाग ने इन वाहनों का चालान काटने के लिए दिल्ली के 25 पेट्रोप पंपों पर विशेष तरह के कैमरे लगा दिए हैं।कैमरे वाहन की नंबर प्लेट पढ़कर यह पता लगा लेने वाले हैं कि आप के वाहन का पीयूसी प्रमाणपत्र वैध है या नहीं, अगर वैध नहीं है, तब आपके मोबाइल पर तुरंत संदेश आएगा कि आप का पीयूसी प्रमाणपत्र वैध नहीं है, तुरंत इस बनवा लें।अगर आप फिर भी नहीं बनवाते हैं, तब तीन घंटे समय देने के बाद आप का चालान काट दिया जाएगा।ट्रायल के तौर पर यह व्यवस्था पिछले सोमवार से शुरू हो गई है।विभाग ने वाहनों में वैध पीयूसी नहीं होने पर सोमवार से ई-चालान काटने की कार्रवाई शुरू कर दी है। चालान की जानकारी सीधे उन लोगों के मोबाइल पर भेजी जा रही है।वैध पीयूसी नहीं होने पर वाहनों के 10-10 हजार रुपये के चालान काटे जाते हैं।दिल्ली भर में 950 स्थानों पर पीयूसी प्रमाणपत्र जारी किया जाता है। लगभग सभी पेट्रोल पंपों पर भी यह सुविधा उपलब्ध है।राजधानी के 11 जिलों में से हर जिले में कम से कम दो पेट्रोल पंपों पर विशेष कैमरे लगाए गए हैं।कुछ जिलों में तीन पेट्रोल पंपों पर यह व्यवस्था की गई है। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इन 25 पेट्रोल पंपों की लोकेशन को उजागर नहीं किया जाएगा।इसका पता लगने से लोग डर के मारे इन पेट्रोल पंपों पर नहीं जाएंगे।जिससे इनके मालिकों को व्यापार में नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि पंप मालिकों को विश्वास में लिया गया है कि उनकी पंप की लोकेशन नहीं जाहिर की गई है।

जिस टनल में 17 दिनों तक फंसे रहे थे 41 मजदूर, वहां शुरु हुआ काम

नई दिल्ली।उत्तरकाशी की जिस सिल्क्यारा टनल में 17 दिनों तक 41 मजदूर फंसे रहे थे, वहां पर फिर से काम शुरु हो गया है।बता दें कि तकरीबन दो महीने पहले इस टनल हादसे में 41 मजदूरों के फंसे होने के बाद इनका रेस्क्यू किया गया था। पिछले साल 12 नवंबर को इसका एक हिस्सा ढह गया था। इसके चलते निर्माण में जुटे 41 मजदूर इसमें फंस कर रह गए थे। मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए लगातार 17 दिनों तक राहत एवं बचाव कार्य चला था।देश का यह सबसे लंबा रेस्क्यू ऑपरेशन था।अब इस टनल का काम फिर से शुरू कर दिया गया है।मिली जानकारी के अनुसार एनएचआईडीसीएल और सरकार के निर्देशों के बाद उत्तरकाशी में सिल्क्यारा टनल के निर्माण का काम शुरू कर दिया गया है।सिल्क्यारा टनल में टेल साइड पोल गांव की ओर से निर्माण कार्य शुरू किया गया है।हालांकि नेशनल हाईवे एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारी ने निर्माण काय्र शुरू होने की जानकारी दी है।उनका कहना है कि आने वाले दिनों में निर्माण का काम और अधिक गति पकड़ेगा।गौरतलब है कि टनल में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के प्लान लगातार फेल होते रहे।जब 24 नवंबर को मजदूरों की लोकेशन से महज 12 मीटर पहले ऑगर मशीन टूटी तो, रेस्क्यू ऑपरेशन का जिम्मा सेना और रैट माइनर्स को सौंपा गया।रैट माइनर्स ने 800एमएम के पाइप में घुसकर ड्रिलिंग की और आखिरकार मजदूरों को एक एक कर बाहर निकाल लिया गया।

सात वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में तीन लोगों को आजीवन कारावास

बलौदा बाजार।छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले की एक त्वरित अदालत ने सात वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म और उसके बाद उसकी हत्या के मामले में एक व्यक्ति, उसकी मां और एक अन्य व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। घटना के समय दुष्कर्म के आरोपी की आयु 17 वर्ष थी।यौन अपराध से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत गठित विशेष त्वरित अदालत के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रशांत पाराशर ने मामले में सुनवाई करते हुये इस संबंध में 29 जनवरी को आदेश पारित किया और इसकी प्रति बुधवार को उपलब्ध कराई गई। सरकारी अधिवक्ता समीर अग्रवाल ने बताया कि न्यायाधीश ने तीनों को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), पॉक्सो और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत दोषी ठहराया। उन्होंने बताया कि अभियोजन पक्ष के अनुसार बलौदा बाजार सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी पीड़िता 25 मई 2021 को जब अपने पड़ोसी के घर पर खेल रही थी तभी आरोपी उसे अपने साथ ले गया और दुष्कर्म किया।

मोदी सरकार के अंतरिम बजट को केंद्रीय मंत्री ने उत्साहजनक करार दिया

-विरोधी दलों ने बजट को भाजपा की विदाई वाला बजट बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मल सीतारमण ने संसद में केंद्रीय अंतरिम बजट 2024-25 पेश कर दिया है। सरकार के अंतरिम बजट पर नेताओं ने प्रतिक्रिया देकर उत्साहजनक बजट करार दिया। है। वहीं कांग्रेस ने बजट को निराशाजनक बताया है।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अंतरिम बजट को एक उत्साहजनक बजट बताया है। हमें पूरा विश्वास है कि हम 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य हासिल करने वाले हैं। केंद्रीय मंत्री वीके सिंह का कहना है कि सबकुछ विकसित भारत के लिए होगा। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए बजट में हर चीज पर चर्चा की गई है।

हालांकि, कांग्रेस नेताओं ने अंतरिम बजट पर सवाल उठाए। सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि यह एक वोट-ऑन-अकाउंट है, जिसका एकमात्र उद्देश्य मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिए सरकार को वित्तीय स्थिति में बनाए रखना है। चिंता की बात यह है कि 18 लाख करोड़ रुपये का बजट घाटा है। इसका मतलब है कि मोदी सरकार अपने खर्च के लिए उधार ले रही है। यह संख्या देश में अगले साल और बढ़ने वाली है। हम विकसित भारत के लिए गरीब, महिला, किसान, युवा को सशक्त बना रहे हैं।

वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मोदी सरकार के अंतरिम बजट को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि, मुझे लगता है कि बजट भाषण छोटा और निराशाजनक दोनों था। इसमें बहुत कम सार था, बड़ी चूक हुई और कई मुद्दों को छुआ तक नहीं गया। विपक्षी गठबंधन इंडिया में सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस सांसद फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि वास्तविक बजट जुलाई में आएगा। हमें उम्मीद है कि लोगों को फायदा होगा, पर्यटन बढ़ेगा, देश प्रगति करेगा

शिरोमणी अकाली दल (शिअद) सांसद हरसिमरत कौर बादल ने कहा, मुझे इस बजट में एक अहंकार दिख रहा था कि हम जुलाई में बजट पेश करने वाले हैं। आप किसी भी चुनाव को हल्के में नहीं ले सकते। आज आपके पास मौका था कि पिछले 10 सालों में किए गए वादों को पूरा करें न कि जनता को और सपने दिखाएं।

वहीं बजट को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। अखिलेश ने अंतरिम बजट को भाजपा की विदाई का बजट करार देकर कहा कि भाजपा सरकार ने जनविरोधी बजटों का एक दशक पूरा करके एक शर्मनाक रिकॉर्ड बनाया है। भाजपा सरकार ने जनविरोधी बजटों का एक दशक पूरा करके एक शर्मनाक रिकार्ड बनाया है, जो फिर कभी नहीं टूटेगा क्योंकि अब सकारात्मक सरकार आने का समय हो गया है। ये भाजपा का 'विदाई बजट' है।

10 फरवरी तक होगा नीतिश सरकार मंत्रिमंडल का विस्तार और विभागों का आवंटन

पटना।बिहार में सत्ता परिवर्तन के साथ ही कैबिनेट विस्तार की चर्चा शुरु हो गई हैं।नीतिश सरकार से जुड़े लोगों ने बताया कि 10 फरवरी को बिहार विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने से पूर्वमुख्यमंत्री नीतीश अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर विभागों का आवंटन करने वाले है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में लौटने के बाद कुमार ने पिछले रविवार को फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) या जेडी (यू) और भाजपा के तीन-तीन मंत्रियों, एक स्वतंत्र और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के एक मंत्री ने कुमार के साथ शपथ ली।भाजपा के एक पदाधिकारी ने कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार के बाद विभागों का आवंटन और फिर उन्हें दुबारा आवंटित करने का कोई मतलब नहीं है।प्रक्रिया जारी है।यह फरवरी के पहले सप्ताह में होगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि तौर-तरीकों पर काम किया जा रहा है और विभागों को लेकर किसी भी तरह की अड़चन से इंकार किया।कुमार द्वारा 2022 में राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और वाम दलों के साथ सरकार बनाने से पहले शिक्षा सहित विभागों को लेकर जद (यू) और भाजपा के बीच मतभेदों ने पिछली एनडीए सरकार को नुकसान पहुंचाया था।विभागों का वितरण 2020 के फॉर्मूले के अनुसार किया जाएगा जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में दो भाजपा उपमुख्यमंत्रियों के साथ एनडीए सरकार बनी थी।उम्मीद की जा रही थी कि कुमार के पास गृह विभाग होगा जबकि भाजपा को वित्त, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग मिल सकता है। जद (यू) ने 2005 के बाद पहली बार शिक्षा विभाग छोड़ा जब इस 2022 में राजद को दिया गया था।यह विभाग दोनों दलों के बीच विवाद का विषय बना हुआ है।

'केंद्र पर लगाए जा रहे आरोप बेबुनियाद', सोरेन की गिरफ्तारी पर बीजेपी बोली-

आदिवासी समाज की इज्जत करती मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कथित भूमि घोटाला मामले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी की तरफ से गिरफ्तार कर लिया गया है। आज उन्हें कोर्ट में भी पेश किया गया। फिलहाल उन्हें एक दिन के न्यायिक हिरासत पर भेजा गया है। इन सब के बीच हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी पर राजनीति भी जबरदस्त तरीके से हो रही है। विपक्षी दलों की ओर से केंद्र सरकार पर आरोप लगाए जा रहे हैं। इतना ही नहीं, हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को आदिवासी समाज से भी जोड़ा जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि आदिवासी समाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। इसी कड़ी में अब भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। भाजपा की ओर से साफ तौर पर कहा गया है कि जो भी आरोप लगाए जा रहे हैं, वह पूरी तरीके से बुनियाद है। केंद्र की मोदी सरकार आदिवासी समाज के बहुत इज्जत करती हैं।

पूरे मामले को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि रांची के मोरहाबादी में सेना की जमीन थी। फर्जी मालिक प्रदीप बागची ने इसे जगतबंधु टी एस्टेट को बेच दिया।जब ईडी ने जांच शुरू की तो पता चला कि रांची में एक गिरोह सक्रिय है जो फर्जी दस्तावेजों के जरिए जमीन का मालिकाना हक लेता है। उन्होंने दावा किया कि इसमें आईएएस अधिकारी भी शामिल थे। इन सभी को सीएम का संरक्षण प्राप्त था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों द्वारा केंद्र सरकार पर जो आरोप लगाए जा रहे हैं, वो पूरी तरह बेबुनियाद हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि मोदी सरकार देश के आदिवासी समाज की बहुत इज्जत करती है। मोदी सरकार ने पहली बार आदिवासी समुदाय की महिला श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को राष्ट्रपति बनाया। दलित समाज से आने वाले श्री रामनाथ कोविंद जी को भारत का राष्ट्रपति बनाया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा म्यूजियम को स्थापित कर आदिवासी समाज को आगे लाने में मोदी सरकार की बहुत बड़ी भूमिका है। आदिवासी समाज के विकास के लिए विशेष योजनाएं भी चलाई हैं। उन्होंने बाताय कि हेमंत सोरेन के खिलाफ तीन मामले हैं- पहला- जमीन की लूट का, दूसरा- अवैध खनन का, तीसरा- कोयला खदानों में घोटाले का। इन तीनों में सिर्फ एक मामले में अभी पेशी हुई है।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई और मुख्यमंत्री पद से उनके इस्तीफे के बाद बुधवार को दावा किया कि केंद्रीय गैस एजेंसियां भारतीय जनता पार्टी की विपक्ष मिटाओ सेल बन चुकी हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग आदि अब सरकारी एजेंसियां नहीं रहीं, अब यह भाजपा की 'विपक्ष मिटाओ सेल' बन चुकी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि जो भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नहीं जाएगा उसे जेल जाना पड़ेगा। उन्होंने सोरेन की गिरफ्तारी को भाजपा के आदिवासी विरोधी रुख का सबूत करार दिया। स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी केंद्र की भाजपा सरकार के राजनीतिक प्रतिशोध का एक स्पष्ट प्रदर्शन है। किसी आदिवासी नेता को परेशान करने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करना निम्न स्तर का कृत्य है।

आज से आम लोगों के लिए खुलेगा राष्ट्रपति भवन का प्रसिद्ध अमृत उद्यान

-प्रमुख आकर्षणों में 225 वर्ष पुराना शीशम का पेड़

-50,000 से अधिक लोगों ने बुकिंग करवा ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति भवन का प्रसिद्ध अमृत उद्यान शुक्रवार से जनता के लिए खुल जाएगा, इसमें इस वर्ष के प्रमुख आकर्षणों में 225 वर्ष पुराना शीशम का पेड़, एक पुष्प घड़ी और एक 'सेल्फी प्वाइंट शामिल है। राष्ट्रपति की उप प्रेस सचिव नविका गुप्ता ने बताया, कि राष्ट्रपति भवन देखने के लिए बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। अमृत उद्यान देखने के लिए 50,000 से अधिक लोगों ने बुकिंग करावा ली है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अमृत उद्यान में उद्यान उत्सव 2024 का उद्घाटन करेंगी। गुप्ता ने बताया कि आगंतुकों की सुविधा के लिए केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से मुफ्त बस सेवा का भी प्रावधान है।

अधिकारियों ने बताया कि पहली बार, अमृत उद्यान में आने वाले आगंतुकों के लिए ट्यूलिप का एक थीम गार्डन भी विकसित किया गया है। पर्यटक डबल डिलाइट, सेंटीमेंटल और कृष्णा नाम के गुलाबों की विशेष किस्में भी देख सकते हैं। उद्यान के प्रभारी अवनीश बंसवाल ने बताया कि इस साल के मुख्य आकर्षणों में से 225 साल पुराना शीशम का पेड़ और एक अनोखा अमृत उद्यान लोगो' है, जो एक सेल्फी प्वाइंट के रूप में भी काम करेगा। उन्होंने बताया, इसके अलावा, 200 साल से अधिक पुराने पिलखन पेड़ के पास एक पुष्प घड़ी और एक छात्र गतिविधि क्षेत्र भी प्रमुख आकर्षणों में से हैं। अधिकारियों ने कहा कि आगंतुकों के लिए जलपान की सुविधा के लिए एक फूड कोर्ट भी स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि अमृत उद्यान दो फरवरी से 31 मार्च तक सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक जनता के लिए खुला रहेगा। शाम चार बजे के बाद आगंतुकों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। आंगतुक नॉर्थ एवेन्यू रोड के पास राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 35 से उद्यान में प्रवेश कर सकते हैं। अमृत उद्यान रखरखाव कार्य के लिए सोमवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन खुला रहेगा। इसके लिए बुकिंग राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट से की जा सकती है।

हिंदू भक्तों को व्यास जी के तहखाने में पूजा करने की अनुमति देना, पूजा स्थल अधिनियम का उल्लंघन : ओवैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाराणसी अदालत ने हिंदू भक्तों को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के अंदर व्यास जी के तहखाने क्षेत्र में प्रार्थना करने की अनुमति दी। वाराणसी हाईकोर्ट के फैसले पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने नाराजगी जाहिर कर कहा कि यह पूजा स्थल अधिनियम का उल्लंघन है। हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील विष्णु शंकर जैन ने बताया कि सात दिनों के अंदर पूजा शुरू हो जायेगी। ओवैसी ने कहा, जिस जज ने फैसला सुनाया, रिटायरमेंट से पहले उनका आखिरी दिन था। जज ने 17 जनवरी को जिलाधिकारी को रिसीवर नियुक्त किया और आखिरकार उन्होंने सीधे फैसला सुना दिया है। उन्होंने खुद कहा कि 1993 के बाद से कोई नमाज नहीं पढ़ी गई। 30 साल हो गए। उन्हें कैसे पता चला कि अंदर मूर्ति है? यह पूजा स्थल अधिनियम का उल्लंघन है। ओवैसी ने कोर्ट के फैसले को गलत बताया है। बता दें कि कोर्ट ने अपने आदेश में केवल 7 दिनों के अंदर ग्रिल खोलने का आदेश दिया है। ओवैसी ने कहा, अपील करने के लिए 30 दिन का समय दिया जाना चाहिए था। ये गलत फैसला है। जब तक मोदी सरकार यह नहीं कहती कि वे पूजा स्थल अधिनियम के साथ खड़े हैं, तब तक यह चलता रहेगा।

ममता ने खुद बयां किया दर्द, पुराने जख्मों ने कर दिया इंडिया से दूर

-सीपीएम को बताया रास्ते का कांटा, कभी माफ नहीं करने की खाई कसम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा है कि वह कांग्रेस के अडियल रबैये के कारण इंडिया से दूर नहीं हुई, बल्कि उन्हें पुराने जख्मों ने बेकाबू कर दिया और इंडिया से दूर हो गई। वह सीपीएम को कभी माफ नहीं कर सकती, सीपीएम ने उन्हें बहुत प्रताडित किया है। फिर भी ममता ने इंडिया गठबंधन से अभी इनकार नहीं किया है, बशर्ते कि कांग्रेस कुछ चीजें सही कर लें। बता दें कि राज्य में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई हैं। पार्टी सुप्रीमों और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद इसका नेतृत्व कर रही हैं। पार्टी ने राज्य की सभी 42 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है। बता दें कि ममता ने पिछले दिनों कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन से खुद को अलग कर लिया था। पार्टी का कहना था कि सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस की तरफ से अड़ियल रुख अपनाए जाने की वजह से यह गठबंधन टूटा है। हालांकि, जनता के बीच पहुंचकर मुख्यमंत्री ने इस गठबंधन के टूटने के पीछे की वजह कुछ और ही बताई हैं। उन्होंने संकेत दिया है कि अगर कांग्रेस पार्टी उनकी शर्तों को मान लेती हैं तो अब भी गठबंधन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल का राजनीतिक समीकरण थोड़ा पेचीदा है। यहां मुख्य रूप से मैदान में चार पार्टियां हैं। इनमें से तीन पार्टियां वाम दल, तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी सैद्धांतिक रूप से भाजपा के खिलाफ हैं। वह किसी भी कीमत पर मौजूदा राजनीतिक परिस्थिति में भाजपा के साथ नहीं जाएंगी। लेकिन, दूसरी तरफ भाजपा का विरोध करने का यह कतई मतलब नहीं है कि तीनों विरोधी दल एक साथ हैं। राज्य में वाम दलों की सरकार के खिलाफ लंबा संघर्ष कर तृणमूल सत्ता में आई थी। इस संघर्ष में सबसे ज्यादा आहत खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हुई थीं। उन्होंने अकेले दम पर यह पूरा संघर्ष किया था। उन्होंने वाम दलों के करीब तीन दशक के शासन का अंत किया था। मालदा जिले की यात्रा पर पहुंची ममता बनर्जी ने कहा कि वह सीपीएम को कभी माफ नहीं कर सकतीं। सीपीएम ने उन पर हमला किया था। उनको बहुत प्रताड़ित किया गया था। वह इस उत्पीड़न और प्रताड़ना को कभी भूल नहीं सकती हैं।

सीएम ममता ने कहा कि ऐसे में वह वाम दलों के साथ रहने वाले लोगों के साथ कैसे जा सकती हैं।

हालांकि, ममता ने यह भी कहा कि मैंने कांग्रेस से कह दिया था कि आप अपनी दो सीटों पर चुनाव लड़ो, मैं कुछ नहीं बोलूंगी। लेकिन, गठबंधन के लिए आपको वाम दलों से नाता तोड़ना होगा। कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावना पर उन्होंने कहा कि पहले उनको सीपीएम का साथ छोड़ना होगा। कांग्रेस को पहले अपने सहयोगियों का सम्मान करना सीखना होगा। सीपीएम ने जो अत्याचार किया था उसको वह कभी नहीं भूलेंगी। गौरतलब है कि 2000 के दशक के आसपास के वर्षों में कई दफा वाम दलों की सरकार के खिलाफ आंदोलन करने को लेकर ममता बनर्जी पर हमले हुए। उन्हें फिजिकली प्रताड़ित किया तथा पुलिस ने उन पर लाठियां भांजी थी।

शिमला में लंबे इंतजार के बाद हुई मौसम की पहली बर्फबारी, खिल उठे पर्यटकों और किसानों के चेहरे

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की ऊंची पहाड़ियों और जनजातीय इलाकों में बृहस्पतिवार को मध्यम से भारी बर्फबारी जारी रही जबकि राज्य की राजधानी शिमला में इस मौसम की पहली बर्फबारी हुई। बर्फबारी से निवासियों, पर्यटकों और किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। शिमला बृहस्पतिवार को बर्फ की पतली चादर में लिपटा दिखा जबकि कुफरी और फागु के बीच पांच किलोमीटर का इलाका पूरी तरह से बर्फ से ढंक गया। ठंड के बावजूद पर्यटक और निवासी बर्फ का आनंद लेने के लिए शहर के मध्य में स्थित माल रोड और रिज पर इकट्ठा हुए।

शिमला में बुधवार रात को भारी ओलावृष्टि हुई और उसके बाद रुक-रुक कर बारिश हुई। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, राज्य में छह राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 240 से अधिक सड़कें यातायात के लिए बंद कर दी गई हैं और भारी बर्फबारी एवं बारिश के कारण 677 ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं। केंद्र ने कहा कि किन्नौर और लाहौल एवं स्पीति के आदिवासी जिलों में165 सड़कें अवरुद्ध हैं। कुफरी, फागु और नारकंडा में भारी बर्फबारी के कारण सड़कें अवरुद्ध होने से ढली से आगे शिमला के ऊपरी क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही रुक गई है। शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी ने बृहस्पतिवार को पीटीआई- को बताया कि बर्फबारी और सड़क पर फिसलन की स्थिति के कारण ढली में वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है।

उन्होंने कहा कि सड़कों पर जल्द ही यातायात बहाल हो जाएगा। राज्य के 12 में से पांच जिलों में मंगलवार रात से रुक-रुक कर बर्फबारी जारी है और स्थानीय मौसम कार्यालय ने एक फरवरी को पांच जिलों शिमला, कुल्लू, चंबा, किन्नौर और लाहौल एवं स्पीति में अलग-अलग स्थानों पर भारी बर्फबारी और बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, तीन और चार फरवरी को आंधी तथा बिजली गिरने के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। भारी बर्फबारी के पूर्वानुमान से किसानों और फल एवं सब्जी उत्पादकों को राहत मिली है जिन्हें लंबे समय तक सूखे के कारण फसल का भारी नुकसान हुआ था। कृषि विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि बारिश का मौसम रबी फसलों के लिए फायदेमंद होने की संभावना है।

शिमला होटल एंड टूरिज्म स्टेकहोल्डर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एम. के. सेठ ने कहा, भारी बर्फबारी ने पर्यटन और इससे जुड़े उद्योग को खुश कर दिया है और हम फरवरी में अच्छे पर्यटन की उम्मीद कर रहे हैं। शिमला में सप्ताहांत के दौरान बर्फबारी के कारण पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। राज्य के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नारकंडा, कुफरी, शिमला, मनाली, रोहतांग, सांगला, डलहौजी और खजियार में भी बर्फबारी हो रही है। शिमला जिले के चिड़गांव में 75 सेंटीमीटर बर्फ पड़ी जबकि शिकारी माता में 60 सेमी, कोठी में 50, चांशेल तथा कामरू नाग में 45, मनाली में 37, केलांग में 32, बड़ा बंगाल तथा पराशर झील में 30, तिंदी, पांगी, जोत तथा नौराधार में 25-25, कुकुमसेरी में 18.4, कोकसर में 16.2, खदराला में 16, शिल्लारू में 15 और सांगलामें 12.2 सेमी बर्फ

पड़ी। राज्य के निचली पहाड़ियों वाले इलाके में शीत लहर की स्थिति बनी रही और सुबह के समय कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाया रहा।

कुकुमसेरी में सबसे ठंडी रात दर्ज की गई जिसमें न्यूनतम तापमन शून्य से नीचे 3.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कल्पा में तापमान शून्य से नीचे 2.4 डिग्री, नारकंडा एवं समधो में शून्य से नीचे 2.1 डिग्री, मनाली में शून्य से नीचे 0.1 डिग्री, डलहौजी में 0.9 डिग्री, कुफरी में 0.2 डिग्री और शिमला में तापमान 1.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विधायक कुमार कानानी का ट्रैफिक-पुलिस पर गंभीर आरोप कहा अवैध टोईंग के बाद वाहन चालकों से वसूली

क्रेन वाहनों को दूसरे क्षेत्रों में ले जाती है, ट्रैफिक पुलिस पर रत्नकलाकारों से वसूली करने का आरोप लगाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वराछा रोड विधायक कुमार कानानी समय-समय पर विभिन्न विषयों पर मनपा आयुक्त पुलिस आयुक्त और मुख्यमंत्री को पत्र लिखने के लिए जाने जाते हैं। कुमार कानानी के उस पत्र से उस विभाग में बड़ी बहस छिड़ गई। इस बार फिर कुमार कानानी ने ट्रैफिक विभाग के कर्मचारियों द्वारा की गई बर्बरता की घटनाओं का जिक्र किया है। विधायक ने सूरत पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर ट्रैफिक विभाग की क्रेन नंबर-१ द्वारा दूसरे इलाकों से अवैध रूप से वाहन खींचने और वाहनचालकों से जबरन रूपये वसूलने के आरोप में कार्रवाई करने को कहा है।

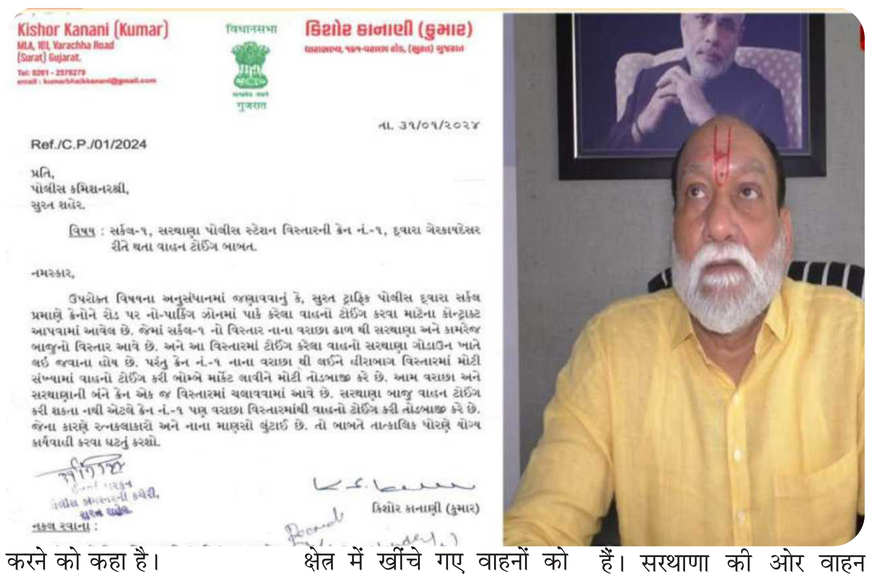

सूरत ट्रैफिक पुलिस द्वारा सर्कल के अनुसार सड़कों पर नो-पार्किंग जोन में खड़े वाहनों को खींचने के लिए क्रेन को ठेका दिया जाता है। जिसमें सर्कल-१ का क्षेत्र नाना वराछा ढलान से सरथाणा और कामरेज साइड क्षेत्र तक आता है। इस क्षेत्र में खींचे गए वाहनों को सरथाणा गोदाम में ले जाना पड़ता है। लेकिन क्रेन नंबर-१ नाना वराछा से हीराबाग क्षेत्र तक बड़ी संख्या में वाहनों को खींचकर बॉम्बे मार्केट में लाकर धूम मचाती है। इस प्रकार वराछा और सरथाना क्रेन दोनों एक ही क्षेत्र में संचालित होते हैं। सरथाणा की ओर वाहन नहीं खींच सकते। इसलिए क्रेन नंबर-१ भी वराछा क्षेत्र से वाहनों को खींचकर ले जाती है और रूपये वसूली करती है। जिससे रत्नकलाकार और छोटे व्यापारियों को लूटा जा रहा है। इसलिए मामले पर तुरंत उचित कार्रवाई करें।

इस संबंध में विधायक कुमार कानानी ने कहा कि सूरत शहर के विभिन्न क्षेत्रों के लिए यातायात विभाग द्वारा क्रेनें आवंटित की गई हैं। कामरेज लसकाना क्षेत्र में नंबर एक क्रेन है। यह वराछा हीराबाग सर्किल कापोद्रा क्षेत्र में भी घूमता है, जो अवैध है। इस इलाके में गाड़ियां उठाई जाती हैं और ड्राइवर को बॉम्बे मार्केट के पास बुलाया जाता है और वहां ड्राइवर को भारी जुर्माना वसूला जाएगा कहकर रूपये वसूले जाते है ऐसी मुझे लगातार शिकायतें मिल रही हैं। जिसे देखते हुए मैंने इस तरह की अवैध गतिविधि को रोकने के लिए पुलिस आयुक्त को लिखित रूप से सूचित किया है।' क्रेन को उसे सौंपे गए क्षेत्र में काम करना चाहिए। मोटर चालकों को लूटने के एकमात्र इरादे से कभी भी काम न करें।

बीआरटीएस बस स्टेशन की सफाई में लापरवाही बरतने पर एजेन्सी को नोटीस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सूरत सीटीलिंक लिमिटेड सूरत नगर निगम की पुरे मालिकाना हक वाली कंपनी है। सूरत नगर निगम संचालित सीटिलिंक लिमिटेड द्वारा १३ बीआरटीएस सूर पर २०४ बस तथा ४५ सीटी रूट ५७४ सीटीबसों द्वारा दैनिक २.७५ लाख यात्रियों को सार्वजनिक परिवहन की सेवा का लाभ दिया जाता है। ग्रीन ग्लोब सोल्युशन कंपनी को बीआरटीएस स्टेशन की सफाई और स्वच्छता का ठेका दिया गया है।

सार्वजनिक परिवहन कमिटी के अध्यक्ष सोमनाथ मराठे द्वारा १ फरवरी २०२४ को उधना जीएसआरटीसी बीआरटीएस बस स्टेशन का निरिक्षण किया गया। जिसमें स्टेशन की सफाई और स्वच्छता कार्यवाही नही होने का पता चला। टेन्डर

ग्रीन ग्लोब सोल्युशन एजेन्सी टेन्डर शर्तो का पालन नही करती है तो कड़ी शिक्षात्मक कार्यवाही की जायेगी

शर्तो के आधिन सफाई कार्य संतोषजन नही दिखा। इस बारे में अध्यक्ष सोमनाथ मराठे ने सूरत सीटिलिंक के विभागीय अधिकारी प्रविण आर प्रसाद को शिकायत की। विभागीय अधिकारी प्रविण प्रसाद ने अध्यक्ष सोमनाथ मराठे की शिकायत का संज्ञान लेते हुए ठेकेदार ग्रीन ग्लोब सोल्युशन को नोटीस जारी किया। नोटीस में उल्लेख किया गया कि ग्रीन ग्लोब सोल्युशन टेन्डर शर्तो का पालन नही कर रही। बीआरटीएस बस स्टेशनों की सफाई संतोषजनक नही दिखी और बार-बार शिकायते कार्यालय को मिलेगी तो शिक्षात्कम कार्यवाही करने के साथ पेनल्टी के रूप में दंड की राशि आगामी बिल से वसूल की जायेगी।

बारडोली के रामपुरा ग्रामपंचायत के सरपंच द्वारा आत्महत्या की घटना के एक साल बाद भी जांच नही

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। बारडोली तालुका के रामपुरा ग्राम पंचायत के सरपंच विजयभाई राठौड़ की आत्महत्या की घटना लगभग एक साल पहले हुई थी, जो आदिवासी समाज के लिए बहुत दुखद बात थी। इस दुखद घटना के घटित होने के बाद कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल सहित हलपति समुदाय के नेताओं और पदाधिकारियों ने डीएसपी को फोन किया। साथ ही रेंज आई. जी., जिला विकास अधिकारी सहित उच्च अधिकारियों से

कांग्रेस पार्टी द्वारा डीएसपी, रेन्ज आईजी और जिला विकास अधिकारी को ज्ञापन देने के बाद भी जांच नही होना दुःखद

मुलाकात कर मामले की विस्तृत एवं गंभीरता से जांच कराने का मौखिक निवेदन किया।

अधिकारियों ने इस घटना पर कार्रवाई करने का आश्वासन भी दिया, लेकिन आरटीआई से मिली जानकारी के मुताबिक इस दुखद घटना को एक साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी पुलिस विभाग की ओर से जांच पूरी नहीं की जा सकी है।

इतने गंभीर मामले में इतना समय बीत जाने के बाद भी पुलिस विभाग द्वारा जांच पूरी नहीं किये जाने से ऐसा प्रतीत होता है कि आदिवासी समुदाय के लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। ऐसा लगता है कि सरकार आदिवासी समाज के लोगों का इस्तेमाल सिर्फ वोट लेने के लिए कर रही है। सत्ता पक्ष से जुड़े सांसद, विधायक और आदिवासी समाज के नेता इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं? आदिवासी समाज के साथ न्याय तभी होगा जब पुलिस विभाग इस मामले की तत्काल जांच कर आदिवासी समाज के सरपंच की आत्महत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दे।

युवक का हत्यारा चार घंटे में चिखली से पकड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अठवागेट के पास भगवान महावीर अस्पताल के बाहर सड़क पर आधी रात को पैसे कि लेनदेन युवक की चाकू से वार कर निर्मम हत्या कर दी गई। इस पूरे घटनाक्रम में उमरा पुलिस टीम ने तुरंत आरोपियों को पकड़ने के लिए काम शुरूकर दिया। पुलिस ने महज कुछ ही घंटों में मुख्य आरोपी समेत चार आरोपियों को चिखली हाइवे से पकड़ लिया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है।

नानपुरा इलाके के खंडेरावपुरा माछीवाड में रहने वाले पिंकेश उर्फ पिंटू रमेशभाई नवसारीवाला की पहचान सिरफिरे के रूप में है। इसके अलावा उनके भाई दिव्येश नवसारीवाला रेत कारोबार से

जुड़े हैं। पिंटू और अक्षु उर्फ अवि पटेल के बीच पैसों का लेनदेन होता था। कल रात पिंटू और अक्षु के बीच पैसों की बात को लेकर झगड़ा हुआ, देर रात अठवागेट के पास भगवान महावीर हॉस्पिटल के बाहर मिलने के लिए बुलाया। इसी बीच जब पिंटू नवसारीवाला वहां पहुंचा तो अक्षु अपने पांच अन्य दोस्तों के साथ कार में वहां आया। जहां पैसे लेने-देने की बात को लेकर पिंटू और अक्षु के बीच कहा-सुनी हो गई।

तो अक्षु और उसके साथी दोस्तों ने अपने पास मौजूद चाकू निकाला और पिंटू के पेट और शरीर के दूसरे हिस्से पर वार किए और वह वहीं गिर पड़ा। बाद में अक्षु और उसके साथी वहां से भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही उमरा पुलिस का काफिला घटनास्थल पर पहुंचा। दुर्घटनावश चोट लगने से पिंटू की मौके पर ही मौत हो गई। उमरा पुलिस देर रात ही आरोपियों को पकड़ने के लिए जुट गई थी। इस बीच पुलिस ने चिखली हाइवे से अवि दीपक पटेल उर्फ अक्षु ,धर्मेश गज्जर, बालाजी और एक अन्य कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने देर रात इन सभी का बयान लिया और गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया।

सरकारी ऑफिस भी अब असुरक्षित, वराछा जोन के मगोब वार्ड कार्यालय में चोरी

वराछा जोन के मगोब वार्ड कार्यालय से कंप्यूटर, प्रिंटर और कैमरा चोरी, पुलिस ने भी किया

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरूकर दी है

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में तस्कर इतने साहसी हो गए हैं कि वे अब सीधे तौर पर सरकारी कार्यालयों को भी निशाना बना रहे हैं।

देर रात नगर निगम के वार्ड कार्यालय को तस्करों ने निशाना बनाया। सुबह जब नगर निगम कर्मचारी कार्यालय खोलने पहुंचे तो पता चला कि ताले टूटे हैं और कंप्यूटर, प्रिंटर व कैमरा चोरी हो गया है। घटना की जानकारी होने पर नगर निगम के उच्चाधिकारी भी हरकत में आए और पुलिस से संपर्क किया।

तस्करों ने सूरत नगर निगम के वराछा जोन के एक वार्ड कार्यालय को निशाना बनाया है। बीती रात नगर निगम के वार्ड कार्यालय का ताला तोड़कर तस्करों ने कंप्यूटर सहित सामग्री चोरी कर ली। सुबह जब नगर निगम का अमला वोर्ड कार्यालय पहुंचा तो कार्यालय के ताले टूटे हुए थे।

अंदर आने पर पता चला कि कुछ इलेक्ट्रॉनिक गजट चोरी हो गए हैं। कर्मचारियों द्वारा पूरी घटना की सूचना उच्च अधिकारियों को दी गई।

राजकोषीय घाटे को ५.१ फीसदी पर बनाए रखने का वित्त मंत्री का प्रयास स्वागत योग्य : एसजीसीसीआई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। भारत की केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साल २०२४ का अंतरिम बजट गुरूवार १ फरवरी २०२४ को घोषित किया गया। चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश वघासिया ने ऑनलाइन इनकम टैक्स की सुविधा के लिए भारत सरकार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आयकर में जो रिफंड ९३ दिन में मिलता था, वह अब १० दिन में मिलेगा। हालाँकि, जबकि छोटे रिफंड जल्दी आ जाते हैं, बड़े रिफंड आने में अभी भी कई महीने लगते हैं, इसलिए इसे सुव्यवस्थित और स्थापित करने की आवश्यकता है। फेसलेस मूल्यांकन की प्रक्रिया भी अत्यंत सराहनीय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान' का प्रयास भारत को नई दिशा में ले जाना है। खासकर भारतीय अर्थव्यवस्था को डिजिटल इकोनॉमी बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम वाकई जरूरी थे।

चैंबर अध्यक्ष ने कहा कि वित्त मंत्री ने वर्ष २०२४-२५ के लिए राजकोषीय घाटे को ५.१ प्रतिशत पर बनाये रखने का प्रयास किया है, जो स्वागत योग्य है। मछली पालन में १ लाख करोड़ रूपये के निर्यात का लक्ष्य रखा गया है। इसने देश में ५ एकवा कल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर पार्क के निर्माण की घोषणा की है, जिससे दक्षिण गुजरात में एकवा कल्चर व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा। बजट में भारत को तिलहन के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए नई योजना की घोषणा की गई है, जो भी स्वागतयोग्य है। रेलवे के ३ आर्थिक गलियारे बनाने का प्रावधान हैं, इससे लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी और नागरिक परिवहन में सुविधा बढ़ेगी। स्टार्ट-अप निवेश पर आयकर छूट दो साल के लिए बढ़ा दी गई है। नए उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास के लिए १ लाख करोड़ रूपये का ब्याज मुक्त फंड आवंटित किया गया है, जिससे उभरते क्षेत्रों में तेजी से विकास होगा।

पीएमईजीपी योजना में २३०० करोड़ रूपये आवंटित किये गये हैं, जिसमें और रूपये आवंटित करने की जरूरत थी। क्योंकि यह योजना महिला उद्यमियों सहित सभी उद्यमियों को प्रोत्साहन प्रदान करती है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग योजना में २७ करोड़ रूपये आवंटित किये गये हैं, जो पिछले साल से कम है। सूक्ष्म लघु उद्यम क्लस्टर विकास योजना में ४०० करोड़ रूपये आवंटित किए गए हैं, जिससे सूरत सहित दक्षिण गुजरात में स्थापित कपड़ा, परिधान और इंजीनियरिंग के छोटे समूहों को लाभ होगा। ऋऋऋ योजना में ११७० करोड़ रूपये का फंड आवंटन भी स्वागत योग्य है। कपड़ा उद्योग में एटीयूएफ योजना के तहत ६७५ करोड़ रूपये आवंटित किये गये हैं। कुशल विकास के लिए एकीकृत योजना के लिए १६६ करोड़ रूपये आवंटित किए गए हैं, इसका लाभ दक्षिण गुजरात के उद्यमी उठा सकेंगे। इसके अलावा पीएम ने मित्रा पार्क के लिए ३०० करोड़ रूपये आवंटित किए हैं। जिसके चलते उद्यमियों को उम्मीद है कि सूरत में नवसारी के पास वांकी बोरसी में पीएम मित्र पार्क तेजी से बनेगा।

भारत में विदेशी निवेश बढ़ाने की दिशा में सरकार द्वारा किये गये प्रयासों के कारण हम एफडीआई का उच्चतम अनुपात प्राप्त करने में सफल रहे हैं। हालाँकि, दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ लंबे समय से अपेक्षित था।